पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 310

ग्वालियर, सोमवार, 03 जनवरी, 2022

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

दिल्ली 159 केंद्रों पर लगेगा 15-18 साल के बच्चों को टीका

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार सोमवार से राजधानी में 159 टीकाकरण केंद्रों पर 15-18 आयु वर्ग के बच्चों के लिए कोविड टीकाकरण अभियान की शुरुआत करने जा रही है। सभी बच्चों के माता-पिता को निकटतम कोविड टीकाकरण केंद्र के बारे में सूचित करने की जिम्मेदारी क्लास टीचर की होगी। दिल्ली सरकार की तरफ से बच्चों के टीकाकरण के लिए जारी नए दिशानिर्देशों के अनुसार, अभिभावकों को निकटतम टीकाकरण केंद्र के बारे में सूचित करने की जिम्मेदारी संबंधित कक्षाओं के क्लास टीचर्स को दी गई है। इसके साथ ही टीकाकरण केंद्रों पर बच्चों के साथ आने वाले माता-पिता के लिए भी अलग कमरे निर्धारित करने होंगे। आदेश के अनुसार, ÷स्कूलों को एक नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा जो स्कूल में सभी छात्रों का टीकाकरण सुनिश्चित करेगा। टीकाकरण के लिए पहले से मान्य आईडी प्रूफ के अलावा, बच्चे के स्कूल आईडी कार्ड भी मान्य हैं। टीकाकरण केंद्रों में वॉक-इन रजिस्ट्रेशन सुविधा भी प्रदान की जानी चाहिए। ये टीकाकरण केंद्र दिल्ली सरकार और नगर निगमों द्वारा संचालित सरकारी अस्पतालों, डिस्पेंसरियों, पॉलीक्लिनिक और स्कूलों में स्थापित किए गए हैं। बच्चों के टीकाकरण के लिए अधिसूचित अधिकांश केंद्रों में भारत बायोटेक के कोवैक्सिन का स्टॉक है। बच्चों के टीकाकरण के लिए अधिसूचित 159 केंद्रों में से अधिकतम 21 केंद्र दक्षिण-पश्चिम जिले में अधिसूचित हैं। इसके अलावा मध्य दिल्ली में 17, पूर्वी दिल्ली में 15, नई दिल्ली में 18, उत्तरी दिल्ली में 11, उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 16, उत्तर-पश्चिम में 12, शाहदरा में 10, दक्षिणी दिल्ली में 11, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में 13 और पश्चिमी दिल्ली में 15 केंद्र हैं। इससे पहले दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा था कि हमारे पास प्रति दिन 3 लाख लोगों को टीकाकरण करने के लिए बुनियादी ढांचा है और हम दिल्ली के सभी बच्चों का 7 से 10 दिनों में टीकाकरण कर सकते हैं। इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि राजधानी में कोविड-19 मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं।

वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी में कोरोना विस्फोट 13 छात्र पॉजिटिव निकले तो मचा हड़कंप

जम्मू। देशभर में कोरोना की रफ्तार एक बार फिर से तेज पकड़ने लगी है। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में कोरोना विस्फोट हुआ है। यहां के 13 छात्र कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। जैसे ही यह मामला सामने आया पूरे विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया, यहां के छात्र डर गए। घटना के बाद प्रशासन ने निर्णय लिया और फिर अगले आदेश तक विश्वविद्यालय को बंद कर दिया गया है। वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में रियासी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि छात्रों का कोरोना टेस्ट बीते 31 दिसंबर 2021 को कराया गया था, इस दौरान 13 छात्र संक्रमित पाए गए। इसके बाद रियासी के जिलाधिकारी चरणदीप सिंह ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए अगले आदेश तक परिसर को फिलहाल के लिए बंद करने का निर्देश जारी किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में शनिवार को 169 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए हैं। उधर देश में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से संक्रमित होने वाले मरीजों की संख्या रविवार को बढ़कर 1,500 से अधिक हो गई। ओमिक्रॉन के मामलों में तेजी से कोरोना के नए केस भी तेजी से बढ़ने लगे हैं। इसे देखते हुए राज्यों ने कोरोना पाबंदियां और सख्त कर दी हैं।

नए साल पर 634 रुपये में खरीदें एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली। नए साल पर आप भी 634 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर खरीद सकते हैं। अगर आप यह सोच रहे हैं कि 14.2 किलोग्राम एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती हुई है तो ऐसा नहीं है। हम बात कर रहे हैं कंपोजिट सिलेंडर की, जिसमें गैस दिखती भी है और 14.2 किलो गैस वाले भारी भरकम सिलेंडर से हल्का भी है। दिल्ली में 10 किलोग्राम कंपोजिट गैस सिलेंडर 634 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, लखनऊ में कंपोजिट सिलेंडर के लिए 660 रुपये देने होंगे। 1 जनवरी 2022 को दिल्ली में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 102 घटकर 1998.5 हो गई हैं। बता दें, 31 दिसंबर तक 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर के लिए दिल्ली वालों को 2101 रुपये देने होते थे। जहां चेन्नई में अब 19 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर के लिए 2131 रुपये तो वही मुंबई में 1948.50 रुपये देने होंगे।

मेरठ की उर्जावान भूमि का लोगों ने दुरुपयोग किया, पर अब डबल इंजन की सरकार कर रही काम : मोदी

पीएम मोदी ने मेरठ में मेजर ध्यान चंद खेल विश्वविद्यालय का किया शिलान्यास

मेरठ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेरठ में आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि यहां की उर्जावान भूमि का लोगों ने दुरुपयोग किया, पर अब डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर खेल नगरी के सरधना में रविवार को मेजर ध्यान चंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। करीब सात सौ करोड़ की लागत से तैयार होने वाले इस विश्वविद्यालय को योगी आदित्यनाथ सरकार ने करीब ढाई वर्ष में तैयार करने का लक्ष्य रखा है। पीएम मोदी ने इस अवसर पर खेल प्रदर्शनी का अवलोकन करने के साथ कुछ उपकरणों पर अपना हाथ भी आजमाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में मौसम खराब होने के कारण सड़क मार्ग से मेरठ पहुंचे। मेरठ आगमन पर भगवान औघडऩाथ का दर्शन-पूजन करने के साथ ही उन्होंने कालीघाट में शहीद स्मारक का भी अवलोकन दिया। इसके बाद उन्होंने सरधना में बटन दबाकर मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने इसके बाद खिलाडिय़ों, खेल प्रेमियों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों को संबोधित किया। उन्होंने वहां पर लोगों को उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ तथा पहले की सरकार के कामकाज के फर्क को खेल से जोड़ते हुए समझाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत माता की जय के साथ संबोधन शुरू करने के साथ ही सभी लोगों को वर्ष 2022 की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वर्ष की शुरुआत में ही मेरठ आना सौभाग्य की बात है। मेरठ का इतिहास काफी गौरवशाली है। मेरठ ने देश की आस्था को ऊर्जावान किया है। सिंधु घाटी की सभ्यता से लेकर पहले स्वतंत्रता संग्राम तक इस धरती ने दिखाया है देश का गौरव क्या होता है। मेरा सौभाग्य है कि मैं भगवान औघडऩाथ मंदिर व शहीद स्मारक गया। पीएम मोदी ने कहा कि 1857 की क्रांति में मेरठ ने नई दिशा दी। आज हम गर्व से आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। राष्ट्र रक्षा के लिए, सीमा पर बलिदान हो या फिर खेल के मैदान में राष्ट्र के लिए सम्मान। इस क्षेत्र ने सदा अपनी लौ को प्रज्ज्वलित रखा है। भारत के इतिहास में मेरठ का स्थान केवल एक शहर का नहीं। यह हमारी संस्कृति का अहम केंद्र है। नूरपुर मढिया ने चौधरी चरण सिंह जैसा विजिनरी नेता दिया।

सांप्रदायिक नफरत तभी बंद होगी जब सब इसके खिलाफ खड़े होंगे: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को मुस्लिम महिलाओं की नीलामी करने वाले ऐप के खिलाफ आवाज उठाते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपमान और सांप्रदायिक नफरत तभी रुकेगी जब सभी एक आवाज में इसके खिलाफ खड़े होंगे। राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा, महिलाओं का अपमान और सांप्रदायिक नफरत तभी बंद होंगे जब हम सब एक आवाज में इसके खिलाफ खड़े होंगे। साल बदला है, हाल भी बदलो- अब बोलना होगा! दिल्ली की एक पत्रकार द्वारा दिल्ली पुलिस में एक संदिग्ध वेबसाइट के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। महिला पत्रकार ने आरोप लगाया है कि उनकी इस ऐप पर उनकी तस्वीरें अपलोड की गई हैं। इस मामले पर कई राजनेताओं ने इसकी निंदा की है व दिल्ली पुलिस ने शनिवार रात प्राथमिकी दर्ज की है। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऐप को ब्लॉक कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई को लेकर पुलिस के साथ समन्वय किया जा रहा है। मंत्री ने कहा, ÷गिटहब ने आज सुबह ही यूजर को ब्लॉक करने की पुष्टि की। सीईआरटी और पुलिस अधिकारी आगे की कार्रवाई में समन्वय कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 509 और 354 ए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शिवसेना संजय राउत ने पीएम की मर्सिडीज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को कहाकि अब प्रधानमंत्री मोदी को खुद को फकीर नहीं कहना चाहिए। उन्होंने कहाकि पीएम के बेड़े में 12 करोड़ रुपए की कार शामिल होने के बाद उन्हें अब अपने लिए इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। शिवसेना के मुखपत्र सामना के साप्ताहिक कॉलम 'रोकटोक' में राउत ने यह बात लिखी है। राउत ने भारत में बनी कारों के इस्तेमाल के लिए पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और जान का खतरा होने पर भी अंगरक्षकों को न हटाने के फैसले के लिए इंदिरा गांधी की तारीफ की है। राउत ने लिखा है कि 28 दिसंबर को मीडिया में प्रधानमंत्री मोदी के लिए 12 करोड़ की कार के इस्तेमाल करने की खबर आई। उन्होंने कहाकि वह खुद को फकीर कहते हैं, प्रधानसेवक कहते हैं और विदेश में बनी कार का इस्तेमाल करते हैं। राउत ने कहाकि प्रधानमंत्री के लिए सुरक्षा और आराम बेहद जरूरी है, लेकिन अब उन्हें खुद को फकीर बुलाना बंद कर देना चाहिए।

बहन मालविका किस दल में होगी शामिल, सोनू सूद ने नहीं दिया इसका जबाव

मोगा। फिल्म अभिनेता सोनू सूद एवं मोगा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का शंखनाद कर चुकीं सूद चैरिटी फाउंडेशन पंजाब की अध्यक्षा मालविका सूद ने संयुक्त रुप से जरूरतमंद 10 दिव्यांग लोगों को ई-रिक्शा प्रदान किया। इसके साथ ही सूद ने 4 जनवरी को 1000 साइकिलें जिले की सभी आंगनबाड़ी वर्करों को देने की घोषणा की। अभिनेता सोनू सूद ने राजनीति में आने के सवाल पर फिर कहा कि वे राजनीति में नहीं आ रहे हैं। उनकी बहन मालविका राजनीति में हैं।इस मौके पर सोनू सूद ने 5 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली में शामिल होने की चर्चाओं को भी निराधार बताया। सेवा के माध्यम से राजनीति को कैश करने के सवाल पर सोनू सूद ने कहा कोरोना से पहले जब भी मोगा में आए थे, उन्होंने शहर में कई बच्चियों को पैदल काफी दूरी तक स्कूल जाते हुए देखा था। उस समय न चुनाव था और न कोरोना काल था। तब भी उन्होंने 50 साइकिलें वितरित की थी। सोनू सूद ने कहा कि सेवा सूद परिवार में जन्मजात बसी हुई है। मां प्रोफेसर सरोज सूद के निधन के बाद उन्होंने मोगा शहर को आदर्श शहर बनाने का संकल्प लिया था और उसी समय से लगातार योजनाएं बना रहे हैं, जो भी जरूरतमंद सामने आते हैं उनकी मदद कर रहे हैं। उस समय कभी सोचा भी नहीं था कि परिवार का कोई सदस्य राजनीति में आएगा। फिल्म अभिनेता सोनू सूद ने कहा मथुरादास सिविल अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन तक उपलब्ध नहीं है, जिससे गरीब लोग अपनी बीमारी का टेस्ट भी नहीं करा पाते हैं। जब उन्हें इसका पता चला तब उन्होंने सरकार को अपने खर्चे पर सीटी स्कैन मशीन देने की पेशकश की थी।

निजी एवं प्रायवेट स्कूलों में आज से शुरू होगा टीकाकरण....पढ़ाई के साथ कोरोना से लड़ाई भी

भोपाल। सोमवार सुबह स्कूलों की घंटी के साथ ही शहर के स्कूलों में टीकाकरण अभियान की शुरुआत हो जाएगी। पढ़ाई के साथ ही कोरोना के खिलाफ लड़ाई शुरू करते हुए शहर और ग्रामीण जिले के स्कूलों में 15 से लेकर 18 साल के स्टूडेंट्स को वैक्सीन का पहला डोज लगाने का अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत स्कूली छात्र-छात्राओं को कोवैक्सीन का पहला टीका लगाने की शुरुआत की जा रही है। इसके लिए शिक्षकों के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। देशभर में स्कूली छात्र-छात्राओं में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसे देखते हुए 2 से 18 वर्ष की उम्र के बच्चों के लिए टीका आते ही टीकाकरण की शुरुआत शहर में 2बच्चों के टीकाकरण के संकल्प के साथ जा रही है। टीकाकरण के लिए हर दिन सुबह वैक्सीन के डोज स्कूलों में पहुंचाए जाएंगे। इसके लिए शिक्षकों के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। शिक्षक जहां छात्रों को टीकाकरण के लिए लाएंगे, वहीं स्वास्थ्यकर्मी टीके लगाएंगे।

शत प्रतिशत उपस्थिति...स्वल्पाहार और भोजन भी कराएंगे छात्रों को: जिले की समस्त सरकारी एवं निजी शालाओं में पढने वाले 15 से 18 वर्ष के छात्र-छात्राओं के टीकाकरण के लिए शिक्षा विभाग समस्त संकुल प्राचार्य, चिकित्सा अधिकारियों से समन्वय कर टीकाकरण की कार्ययोजना बना रहा है। कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित तिथियों में स्कूल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना होगी।

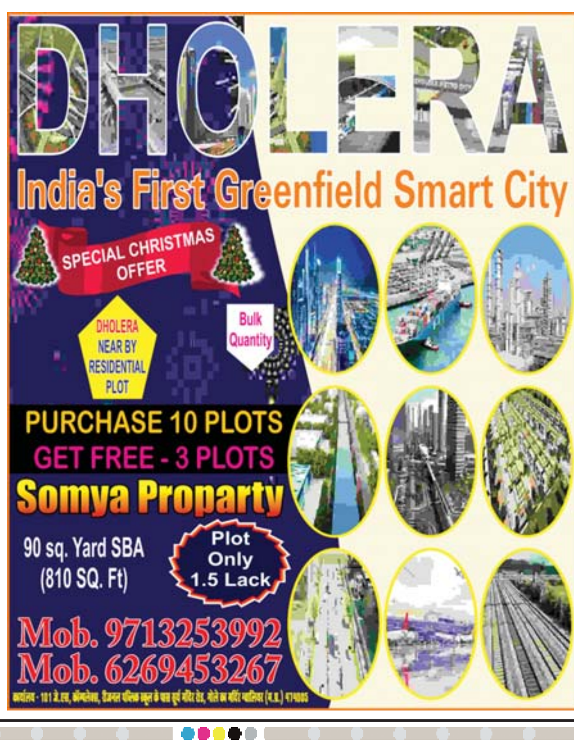

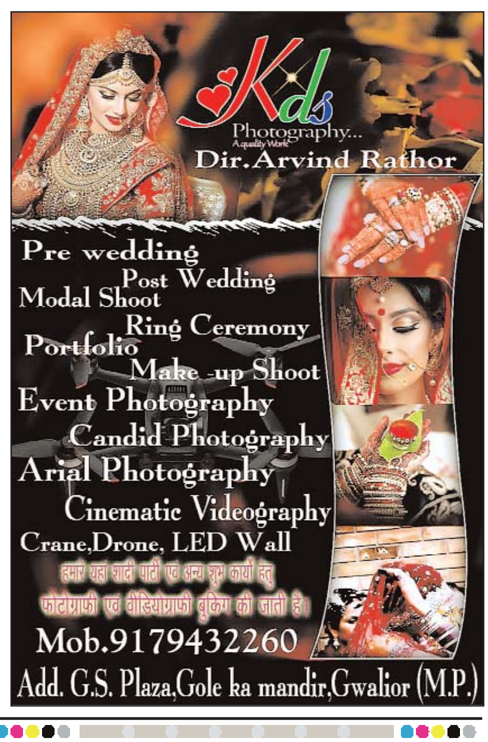

न्यूज़ ट्रैक....

भारत को टी20 विश्व कप में हराना पाक टीम का 2021 में सर्वश्रेष्ठ पल :बाबर

करांची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने टी20 विश्व कप में भारत पर पहली जीत को अपनी टीम के लिए बीते साल का सर्वश्रेष्ठ पल करार दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा जारी पॉडकास्ट में बाबर ने कहा कि इसी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारना उनकी टीम के लिए सबसे निराशाजनक क्षण था। उन्होंने कहा इस हार ने मुझे बुरी तरह से आहत किया क्योंकि हम एक संयुक्त इकाई के तौर पर बहुत अच्छा खेल रहे थे। बाबर ने कहा भारत को पहली बार विश्व कप में हराना 2021 में सर्वश्रेष्ठ पल रहा। इस मैच में पाकिस्तान ने एकतरफा मैच में भारत को 10 विकेट से हराया था। उन्होंने कहा एक टीम के रूप में हमारे लिए यह शानदार उपलब्धि थी क्योंकि हम इतने वर्षों से भारत को विश्व कप में नहीं हरा पाए थे। यह वर्ष में हमारे लिए सर्वश्रेष्ठ पल था।

ब्रेट ली ने अपने ही बेटे को घातक यॉर्कर फेंककर किया बोल्ड

मुंबई । भले ही ब्रेट ली ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया है, लेकिन अभी भी उनके द्वारा यॉर्कर गेंद फेंकने की भूख खत्म नहीं हुई है इसका ताजा उदाहरण हाल ही में देखने को मिला है ।दरअसल ब्रेट ली के भाई शेन ली ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें ली अपने बेटे प्रेस्टन और बाकी परिवार के सदस्यों के फ्रंट यार्ड क्रिकेट खेल रहें हैं। वीडियो में ली अपने बेटे के खिलाफ गेंदबाजी कर अपने बेटे को परफेक्ट यॉर्कर पर बोल्ड कर डालते हैं ।ली के बेटे को गेंद को डिफेंस करने का कोई भी मौका नहीं मिल पाता है ।अपने पापा के द्वारा बोल्ड किए जाने के बाद प्रेस्टन काफी नाराज होकर अपना बल्ला फेंक देता हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है ।फैंस ली की यॉर्कर को देखकर लगातार कमेंट भी कर रहे हैं ।बता दें कि अपने करियर में ब्रेट ली ने 76 टेस्ट मैचों में 310 विकेट लिए हैं ।वनडे में ली के नाम 380 विकेट दर्ज है। ब्रेट ली वनडे में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में ग्लेन मैकग्राथ के साथ जॉइन्ट रूप से नंबर वन पर बने हुए हैं।

कोरोना के डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित हुए थे सौरव गांगुली,

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली की जांच में कोविड-19 के डेल्टा प्लस स्वरूप से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया इसके गंभीर नहीं होने के कारण उन्हें चार दिन बाद छुट्टी दे गई और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान पृथकवास में रहते हुए इससे उबर जाएंगे। अधिकारी ने कहा गांगुली के नमूनों की जांच में डेल्टा प्लस स्वरूप पॉजिटिव मिला है। हम इसका इलाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा गांगुली को ओमिक्रॉन स्वरूप के लिए जांच में नेगेटिव आने के बाद शुक्रवार को छुट्टी दे दी गई थी। वह अगले एक पखवाड़े के लिए डॉक्टरों की देखरेख में घर में पृथकवास रहेंगे। कोरोना के आरटी-पीसीआर परीक्षण में पॉजिटिव आने के बाद 49 वर्षीय गांगुली को एहतियात के तौर पर सोमवार रात को वुडलैंड्स मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उन्हें मोनोक्लोनल एंटीबॉडी कॉकटेल थेरेपी दी गई थी। गांगुली को इस साल के शुरू में दो बार अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हृदय संबंधी कुछ समस्याओं के कारण उनकी आपात एंजियोप्लास्टी की गई थी।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ट्रेविस हेड पॉजिटिव पाये जाने के बाद चौथे टेस्ट से बाहर

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ट्रेविस हेड कोरोना वायरस की जांच में संक्रमित पाये गये हैं। ऐसे में अब ट्रेविस इंग्लैंड के खिलाफ जारी एशेज क्रिकेट सीरीज के चौथे टेस्ट में नहीं खेलेंगे। ट्रेविस का बाहर होना मेजबान टीम के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि उन्होंने अब तक इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। चौथा टेस्ट सिडनी में पांच जनवरी से शुरु होगा। ट्रेविस में अभी तक किसी भी प्रकार के लक्षण नहीं दिखे हैं पर उन्हें विक्टोरिया सरकार के स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के अनुसार अभी सात दिनों तक मेलबर्न में ही रहना पड़ेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक प्रवक्ता ने कहा, 'हमारी परीक्षण प्रक्रिया के तहत हम खिलाड़ियों, उनके परिजनों और सहयोगी स्टाफ का हर दिन पीसीआर परीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इसी के तहत ही आज सुबह ट्रेविस का परीक्षण पॉजिटिव आया है पर उनमें अभी उनमें बीमारी के कोई लक्षण नहीं हैं। प्रवक्ता ने कहा, 'ऐसे में हमें उम्मीद है कि वह होबार्ट में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच तक ठीक हो जाएंगे। हेड ने अब तक इस सीरीज में सबसे ज्यादा 248 रन बनाए है जिनमें ब्रिसबेन में पहले टेस्ट मैच में लगाया गया शतक भी शामिल है। हेड के बाहर होने के कारण चयनकर्ताओं ने मिशेल मार्श, निक मैडिनसन और जोश इंग्लिश को 'अतिरिक्त खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया है।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डी कॉक ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 29 वर्षीय डी कॉक ने भारतीय टीम के हाथों पहले टेस्ट में अपनी टीम को मिली हार के बाद यह घोषणा की। वहीं क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि डी कॉक टी20 लीग के साथ ही एकदिवसीय प्रारूप में खेलना जारी रखेगा।

सीएसए ने अपने एक बयान में कहा कि इस क्रिकेटर ने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने और अपने सीमित ओवरों के करियर को लंबा करने के लिए यह फैसला किया है। वहीं अपने संन्यास पर डी कॉक ने कहा कि यह आसान निर्णय नहीं था। मैंने यह सोचने के लिए बहुत समय लिया कि मेरा भविष्य कैसा दिखता है और अब मेरे जीवन में क्या प्राथमिकता होनी चाहिए जब साशा और मैं अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं और अपने परिवार को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा परिवार मेरे लिए सब कुछ है और मैं अपने जीवन के इस नए और अध्याय के दौरान अपने परिवार को समय देना चाहता हूं। डी कॉक ने साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गक्बेरहा में टेस्ट में पदार्पण किया था। उन्होंने अपने करियर के 54 मैचों में 38.82 के औसत और 70.93 के स्ट्राइक रेट से 3300 रन बनाए हैं। उनका सबसे ज्यादा स्कोर नाबाद 141 रहा है।

दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में भारतीय टीम कर सकती है परिवर्तन

नई दिल्ली । टेस्ट टीम इंडिया के मुखिया विराट कोहली विनिंग कॉम्बिनेशन में बदलाव के लिए नहीं जाने जाते है। भारत ने सेंचुरियन टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को 113 रनों से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सेंचुरियन का किला फतह करने में टीम इंडिया को ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच सोमवार से जोहानिसबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में खेला जाएगा। वैसे तो टीम इंडिया को विनिंग कॉम्बिनेशन के साथ ही दूसरे टेस्ट में उतरना चाहिए, लेकिन वांडरर्स की पिच को देखते हुए शार्दुल ठाकुर की जगह पेसर उमेश यादव को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है। विराट कोहली हमेशा प्लेइंग इलेवन में सीम ऑलराउंडर को प्राथमिकता देते रहे हैं। हालांकि वांडरर्स की पिच पर घास है। ऐसे में यहां सीम और स्विंग बोलर्स को फायदा हो सकता है। उमेश की गेंदबाजी के लिए यह विकेट मददगार है जो लगातार 135 प्लस स्पीड से फुलर लेंथ गेंद गेंदबाजी कर सकते हैं।

सेंचुरियन टेस्ट में शार्दुल कुछ खास कमाल नहीं कर पाए थे। उन्होंने अपनी 16 ओवर की गेंदबाजी में सिर्फ 2 विकेट चटकाए थे। बल्लेबाजी में वह 4 और 10 रन ही बना पाए थे। ऐसे में चौथे सीमर के रूप में उमेश अच्छा विकल्प हो सकते हैं। दूसरी ओर आर अश्विन की जगह हनुमा विहारी को मौका मिल सकता है। हनुमा के प्लेइंग इलेवन में शामिल होने से भारत की बल्लेबाजी को गहराई मिल सकती है। हनुमा एक दिन में कम से कम 10 से 15 ओवर की स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। उन्हें आर अश्विन की जगह खिलाया जा सकता है। अश्विन ने सेंचुरियन टेस्ट की दूसरी पारी में आखिरी के 2 विकेट चटकाए थे।

दूसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग इलेवन इस प्रकार हो सकती है ः केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, रिषभ पंत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन/हनुमा विहारी, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

किस्मत ने मेरा खूब दिया पर बीसीसीआई ने नहीं

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के टर्बनेटर उर्फ पूर्व ऑफ स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह ने महेंद्र सिंह धोनी के बाद अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर हमला बोला है। भज्जी का कहना है कि उन्हें और खेलने का मौका मिलता तो वह कम से कम 100 से 150 विकेट और चटकाते। हरभजन ने पिछले महीने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया था। भज्जी ने अपने टेस्ट करियर में 103 टेस्ट मैचों में कुल 417 विकेट झटके। इस दौरान उन्होंने 5 विकेट हॉल 10 बार अपने नाम किया। 236 वनडे इंटरनेशनल मैचों में हरभजन के नाम 269 विकेट हैं।

यह पूछने पर कि आपने टेस्ट में 417 विकेट लिए और यह आंकड़ा 617 भी हो सकता था। अगर आपको बीसीसीआई से या आपके आसपास जो माहौल था वह थोड़ा और सपोर्टिव होता। एक इंटरव्यू में भज्जी ने कहा, देखिए किस्मत ने मेरा बखूबी साथ दिया। लेकिन आसपास के जो फैक्टर थे उन्होंने थोड़ा साथ नहीं दिया। शायद वह पूरी तरह से मेरे खिलाफ थे। क्योंकि जिस तरह से मैं बोलिंग कर रहा था और जिस रफ्तार से मैं आगे बढ़ रहा था। 31 साल की उम्र में जब कोई 400 विकेट ले लेता है तो निश्चिततौर पर अगर वह अगले 4 या 5 साल भी क्रिकेट खेलता है तो मैं ज्यादा नहीं मेरे स्तर के हिसाब से यह कह सकता हूं कि 100 या 150 और विकेट तो लेता ही। हरभजन सिंह काफी समय तक भारतीय टीम के नंबर वन स्पिनर रहे। लेकिन साल 2011 के वर्ल्ड कप के बाद टीम में उनकी जगह पक्की नहीं रही। इसके बाद उन्होंने भारत के लिए बहुत कम मैच ही खेले। 2013 चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से उन्हें ड्रॉप कर दिया गया था। वह 2015 वर्ल्ड कप की टीम का भी हिस्सा नहीं थे। हालांकि 2016 में भारत में हुए टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें भारतीय टीम में शामिल किया गया था लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं दिया गया था। बकौल भज्जी, टीम का चयन हमेशा ही कप्तान और कोच से परे होता है। हां उस समय धोनी कप्तान थे लेकिन मुझे लगता है कि सिलेक्शन धोनी से ऊपर उठकर होते थे। काफी हद तक इसमें बोर्ड के कुछ अधिकारी भी शामिल होते थे। ये अधिकारी मुझे नहीं चाहते थे। ऐसे में कप्तान खिलाड़ी का समर्थन कर सकता है, लेकिन कप्तान कभी भी बीसीसीआई से ऊपर नहीं हो सकता।

जोहानिसबर्ग में टेस्ट जीतकर इतिहास रच देगी कोहली सेना

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम 2022 की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से करेगी। 3 जनवरी से जोहानिसबर्ग में टीम सीरीज को जीतने के इरादे से उतरेगी। विराट कोहली की कप्तानी में अगर भारतीय टीम दूसरा टेस्ट मैच जीत लेती है,तब दक्षिण अफ्रीका में उसकी पहली सीरीज जीत होगी। संयोग से जिस मैदान पर यह मैच खेला जाएगा वह टीम इंडिया का अजेय किला रहा है। जोहानिसबर्ग में भारतीय टीम अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं हारी है। वह पहली बार यहां 26 से 30 नवंबर तक 1992 में टेस्ट मैच खेली थी। वह मुकाबला ड्रॉ रहा था। इसके बाद 16 से 20 जनवरी तक 1997 में खेला गया मैच भी ड्रॉ रहा था।टीम इंडिया को इस मैदान पर पहली जीत 2006 में मिली थी। 15 से 18 दिसंबर तक हुए उस मैच को भारतीय टीम 123 रन से जीतने में कामयाब हुई थी। वह दक्षिण अफ्रीका में किसी भी मैदान पर पहली टेस्ट जीत थी। भारतीय टीम पिछली बार जोहानिसबर्ग में 2018 में खेली थी। 24 से 27 जनवरी तक चले मुकाबले को विराट कोहली की टीम ने 63 रन से अपने नाम किया था। कोहली दक्षिण अफ्रीका में दो टेस्ट मैच जीतने वाले पहले कप्तान बन चुके हैं। अब उनकी नजर तीसरी जीत पर होगी। अगर भारतीय टीम यहां मैच जीत लेती है,तब इतिहास रच देगी। इसके साथ ही कोहली की नजर निजी उपलब्धि पर भी होगी। अगर वहां जोहानिसबर्ग टेस्ट को जीत लेते हैं,तब संयुक्त रूप से दुनिया के तीसरे सफलतम टेस्ट कप्तान बन जाएंगे। विराट ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज कप्तान रहे स्टीव वॉ की बराबरी करने वाले हैं। कोहली ने 67 मैचों में कप्तानी की है और 40 में जीते हैं। स्टीव वॉ को 57 मैचों में से 41 में जीत मिली थी। कोहली दूसरा टेस्ट जीतकर वॉ की बराबरी कर सकते हैं।

व्यापारन्यूज

एनटीपीसी पीएक्सआईएल में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी की योजना पावर एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीएक्सआईएल) में पांच प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पीएक्सआईएल बिजली कारोबार के कई विकल्प उपलब्ध कराती है। पीएक्सआईएल देश का पहला संस्थागत रूप से प्रवर्तित बिजली एक्सचेंज है, जो बिजली कारोबार के कई समाधान उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा यह वर्ष 2008 से क्रेताओं के साथ विक्रेताओं को भी जोड़ रहा है। एनटीपीसी की योजना पीएक्सआईएल में पांच प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी खरीदने की है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पीएक्सआईएल की अधिकृत शेयर पूंजी 120 करोड़ रुपए और चुकता पूंजी 58.47 करोड़ रुपए है। पीएक्सआईएल का गठन 20 फरवरी, 2008 को हुआ था। सरकार का कहना है कि उसकी योजना बिजली बाजार की देश की कुल बिजली आपूर्ति में हिस्सेदारी 2023-24 तक बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने की है। यह राष्ट्रीय बिजली नीति (एनईपी) के मसौदे का हिस्सा हो सकता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

मुंबई । पेट्रोल और डीजल की कीमत में रविवार 2 जनवरी को कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं अंतराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम 2.78 फीसदी से ज्यादा टूटे हैं। इस समय क्रूड ऑयल के दाम 78 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गए हैं। गौरतलब है कि 2021 में क्रूड ऑयल की कीमत में 50 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला था। आईओसीएल के अनुसार देश के चारों महानगरों में पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 95.41 रुपए प्रति लीटर पर हैं। वहीं दूसरी ओर कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत क्रमशः 104.67 रुपए, 109.98 रुपए और 101.40 रुपए प्रति लीटर हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने बीते 4 नवंबर 2021 से पेट्रोल और डीजल की कीमत ने कोई बदलाव नहीं किया है।

इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक रुख तय करेगी शेयर बाजारों की दिशा

नई दिल्ली । कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन से जुड़ी खबरों, वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक रुख से नए साल के पहले सप्ताह में शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बीता साल 2021 भारतीय शेयर बाजारों के लिए काफी ऐतिहासिक रहा है। इस दौरान बाजार ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। बीते साल बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 10,502.49 अंक चढ़ा। विश्लेषकों का कहना है कि यह सप्ताह एक नए माह की शुरुआत है। सप्ताह के दौरान निवेशकों की निगाह कई महत्वपूर्ण आंकड़ों जैसे मासिक वाहन बिक्री, भारत के विनिर्माण पीएमआई और सेवा पीएमआई पर रहेगी। इसके अलावा कोरोना से जुड़ी खबरें और वैश्विक बाजारों का प्रदर्शन भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा कि पिछले दो सप्ताह से बाजार में सुधार है, लेकिन अभी यह कहना जल्दबाजी होगा कि हम अनिश्चितता से उबर चुके हैं। बाजार में मिलेजुले रुख के बीच भागीदारों को सतर्क रुख अपनाना चाहिए और हेजिंग के लिए तैयार रहना चाहिए। हालांकि सभी वर्गों के शेयरों में सुधार है, लेकिन हमारा मानना है कि बैंक, फार्मा, आईटी और एफएमसीजी कंपनियों का प्रदर्शन अन्य की तुलना में बेहतर रहेगा। एक अन्य विश्लेषक कहते हैं कि देश और दुनिया में ओमीक्रोन संक्रमण का तेजी से प्रसार हो रहा है। ऐसे में बाजार की शुरुआत सतर्क रुख के साथ होगी। इसके बावजूद हमने आशावादी रुख को कायम रखा है। हमारा अनुमान है कि 2022 में निफ्टी निवेशकों को 12 से 15 प्रतिशत का रिटर्न देगा। इसे अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार और कंपनियों की आमदनी में बढ़ोतरी से समर्थन मिलेगा। इस सप्ताह विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई के आंकड़े आने है, जिससे कारोबार की धारणा प्रभावित होगी।

ओमीक्रोन के खतरे केबावजूद जुझारू प्रदर्शन की उम्मीद

विश्लेषकों ने कहा कि ओमीक्रोन के खतरे के बावजूद भारतीय बाजारों से जुझारू प्रदर्शन की उम्मीद है। इसे दीर्घावधि में मजबूत वृद्धि के अनुमान से समर्थन मिलेगा। वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े शनिवार को आ चुके हैं। ऐसे में सोमवार को वाहन कंपनियों के शेयर मुख्य केंद्र में रहेंगे। मार्च, 2020 में महामारी की शुरुआत के बाद बाजार काफी तेजी से नीचे आया था। वर्ष 2021 में भारतीय बाजारों ने महामारी की चुनौती के बावजूद अन्य देशों के बाजारों की तुलना में अधिक बेहतर प्रदर्शन किया। इसके अलावा बाजार की निगाह विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के रुख, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपए के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी।

आ रही है देश की पहली इलेक्ट्रिक क्रूजर बाइक

मुंबई । कस्टमाइज्ड व्हीकल्स और साउंड इंजीनियरिंग के निर्माण में विशेषज्ञता रखने वाले एक घरेलू स्टार्टअप इग्निट्रॉन मोटोकॉर्प ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक क्रूजर बाइक साइबोर्ग के साथ भारत के टू-व्हीलर इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में आने की तैयारी में है। यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोटर बाइकों की एक रेंज होगी, जो एक बिल्कुल नया मोटरसाइकिल अनुभव देगी। साइबोर्ग इलेक्ट्रिक क्रूजर बाइक एक बार फुल चार्जिंग पर 120 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। यह बैटरी स्वैपिंग सुविधा के साथ आती है। कंपनी के मुताबिक इस बाइक की टेस्टिंग भारत के सबसे दुर्गम इलाकों और जलवायु परिस्थितियों में की गई है। कंपनी के अनुसार,साइबोर्ग नाम के तहत इग्निट्रॉन मोटोकॉर्प भारतीय बाजार में तीन उत्पादों को पेश करेगी।

आखिरी तारीख 31 दिसंबर तक जमा किए गए 5.89 करोड़ आयकर रिटर्न

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2020-21 के लिए आखिरी तारीख 31 दिसंबर तक नए ई-रिटर्न दाखिल करने के पोर्टल के जरिए करीब 5.89 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) जमा किए गए हैं। आयकर विभाग से यह जानकारी मिली है। इनमें से 46.11 लाख रिटर्न 31 दिसंबर को दाखिल किए गए। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने कहा कि आयकर विभाग के नए ई-रिटर्न दाखिल करने के पोर्टल के जरिये 31 दिसंबर तक करीब 5.89 करोड़ आयकर रिटर्न जमा किए गए हैं। कोरोना वायरस महामारी की वजह से इस साल भी आयकर रिटर्न जमा कराने की तारीख को बढ़ाया गया था। इसकी तुलना में आकलन वर्ष 2020-21 के लिए विस्तारित तारीख 10 जनवरी, 2021 तक 5.95 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल हुए थे। 10 जनवरी, 2021 को आखिरी दिन 31.05 लाख आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे। सीबीडीटी ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 (आकलन वर्ष 2021-22) के लिए कुल दाखिल 5.89 करोड़ रिटर्न में से 49.6 प्रतिशत आईटीआर-1 (2.92 करोड़), 9.3 प्रतिशत आईटीआर-2 (54.8 लाख), 12.1 प्रतिशत आईटीआर-3 (71.05 लाख), 27.2 प्रतिशत आईटीआर-4 (1.60 करोड़) और 1.3 प्रतिशत आईटीआर-5 (7.66 लाख) हैं। इसके अलावा 2.58 लाख आईटीआर-6 और 67,000 आईटीआर- 7 दाखिल किए गए हैं। सीबीडीटी ने ककि कि इनमें से 45.7 प्रतिशत रिटर्न पोर्टल पर ऑनलाइन आईटीआर फॉर्म के जरिये भरे गए जबकि शेष ऑफलाइन सॉफ्टवेयर सुविधाओं के सृजित आईटीआर के माध्यम से अपलोड किए गए।

भारत ने डब्ल्यूटीओ की विवाद समाधान समिति के फैसले के खिलाफ अपील की

नई दिल्ली । भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की विवाद समाधान समिति के फैसले के खिलाफ अपील है। विवाद समाधान समिति ने कहा है कि भारत के चीनी और गन्ने के लिए घरेलू समर्थन उपाय वैश्विक व्यापार नियमों के अनुकूल नहीं हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत ने डब्ल्यूटीओ के अपीलीय निकाय के समक्ष यह अपील की है। यह निकाय ऐसे व्यापार विवादों का अंतिम रूप से निपटान करने वाला प्राधिकरण है। भारत ने कहा है कि डब्ल्यूटीओ की विवाद समाधान समिति ने गन्ना उत्पादकों तथा निर्यात को समर्थन की घरेलू योजनाओं को लेकर अपने फैसले में कई गलत निष्कर्ष निकाले हैं, जो अस्वीकार्य हैं। समिति ने 14 दिसंबर, 2021 को अपने फैसले में कहा था कि भारत को उत्पादन सहायता, बफर स्टॉक और विपणन और परिवहन योजनाओं के तहत कथित रूप से प्रतिबंधित सब्सिडी को वापस लेना चाहिए। समिति ने भारत से कहा था कि उसे इस रिपोर्ट के 120 दिन के अंदर प्रतिबंधित सब्सिडी को वापस लेना होगा। भारत की चीनी सब्सिडी के खिलाफ ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और ग्वाटेमाला की शिकायत पर समिति ने यह व्यवस्था दी थी। समिति ने कहा था कि भारत के समर्थन उपाय डब्ल्यूटीओ व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि विवाद समाधान समिति का फैसला अनुचित है और यह डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुरूप नहीं है। अधिकारी ने बताया कि कथित निर्यात सब्सिडी पर समिति के निष्कर्ष तार्किक नहीं हैं। भारत ने समिति के फैसले के खिलाफ अपीलीय निकाय में अपील की है।

देश में क्रिप्टोकरेंसी का क्रेज युवाओं के साथ ही महिलाओं में भी

मुंबई । क्रिप्टोकरेंसी का क्रेज भारतीयों में लगातार बढ़ता जा रहा है।इनदिनों देश के युवा, वयस्क और महिलाओं में डिजिटल करेंसी को लेकर दीवानगी में लगातार बढ़ रही है। इसका अंदाजा इस लेकर हालिया आई रिपोर्टों के आंकड़े देखकर लग सकता है। बीते दिनों देश के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स ने बताया था कि उसका ट्रेडिंग वॉल्यूम 1735 प्रतिशत बढ़ा है।रिपोर्ट के अनुसार उसका ट्रेडिंग वॉल्यूम 3500 फीसदी उछल गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में उसके 1.4 करोड़ यूजर हैं। खास बात ये है कि कुल यूजर्स में से 60 प्रतिशत की उम्र 28 साल या उससे कम है।रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय यूजर्स में से 15 प्रतिशत महिलाएं हैं। यानी युवाओं के साथ-साथ महिलाओं में भी क्रिप्टोकरेंसी को लेकर क्रेज लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट में भी सामने आया था कि महिलाएं क्रिप्टो के कारोबार में काफी सक्रिय हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली, कोलकाता, पुणे, मुंबई, लखनऊ और पटना क्रिप्टो के शुरुआती निवेशक हैं। स्टॉक मार्केट में ट्रेड करने वाले यूजर्स भी क्रिप्टो के कारोबार में रुचि ले रहे हैं। 45 साल से ऊपर की उम्र वाले स्टॉक मार्केट निवेशक हाई-रिस्क, हाई रिवॉर्ड एसेट क्लास में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं।

देश की निधि बैंकों में नहीं बल्कि प्रतिभावान बच्चों में हैः कमलेश

जैन समाज मे पहली बार दिगम्बर श्वेतांबर समाज के 22 राज्यों के पांच सैकडा से अधिक प्रतिभाशाली जैन छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह सिंहोनियाँ में संपन्न

अम्बाह। अखिल भारतीय जैन समाज के घटक दिगंबर श्वेतांबर समुदाय के 22 राज्यों के 5 सैकड़ा से अधिक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान रविवार को चंबल के अतिशय क्षेत्र सिंहोनियाँ में आयोजित किया गया। यह आयोजन श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर कमेटी सिंहोनियां, जैन युवा क्लब, सोनू मित्र मंडल एवं ज्ञानार्ष भक्त परिवार द्वारा किया गया। आयोजन में पहली बार दिगम्बर श्वेतांबर सहित सभी जैन समुदाय के प्रतिभाशाली बच्चे एक मंच पर एकत्रित हुए जिनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि कमलेश जैन सीए, सुदीप जैन गुडगांव, रूपेश जैन उत्तम नगर, सुरेश जैन, रविन्द्र जैन जमुसर, अजय जैन बॉबी सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर विभिन्न परीक्षाओं में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले एवं विभिन्न नौकरियों पर चयनित छात्र-छात्राओं का मेडल, ट्रॉफी, प्रशंसा पत्र एवं शैक्षणिक सामग्री देकर सम्मान किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए कमलेश जैन सीए ने कहा कि देश की निधि बैंकों में नहीं बल्कि प्रतिभावान बच्चों में हैं। लक्ष्य कोई भी हो उसमें डूबे बिना सफलता नहीं मिलती। कमलेश जैन ने कहा कि चंबल के जो बीहड कभी दस्यु के लिए जाने जाते थे, वहां सिंहोनियां जी जैसे अतिशय क्षेत्र में सोनू मित्र मंडल ने विकास कार्य कर इस स्थल को जैन तीर्थ क्षेत्रों में विश्व के मानचित्र पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि जिन संत की प्रेरणा से हम यह आयोजन कर रहे हैं उन आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज ने संपूर्ण मुरैना क्षेत्र का गौरव विश्व भर में बढ़ाया है। इस अवसर पर कमलेश जैन ने बच्चों से आव्हान करते हुए कहा कि बच्चे व्यसनों से दूर रहें, माता-पिता ही आप के सबसे अच्छे मित्र व साथी है उनके चरणों में ही स्वर्ग है। उनका आशीर्वाद तुम्हारे जीवन में उन्नति का आधार बन सकता है। महेश बंगाली ने कहा कि आराम सफलता का दुश्मन है, इसलिए हमें बिना आराम किए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। इस अवसर पर जैन संत ज्ञेय सागर जी महाराज एवं आर्षमति माताजी ने भी बच्चों का मार्गदर्शन किया। सोनू मित्र मंडल के अध्यक्ष आशीष जैन सोनू एवं आयोजन के महामंत्री अतुल जैन ने आयोजन में कहा कि शिक्षा में मेहनत ही काम आती है। इसलिए बच्चों को अपने शैक्षणिक विकास के लिए अपने माता-पिता और शिक्षकों के मार्गदर्शन में लगातार मेहनत करते रहना चाहिए।

सम्मान समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को मार्ग व्यय के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, पदक, वीआईपी बैग, पैन, डायरी, शील्ड, बहुरंगी स्मारिका आदि से सम्मानित किया गया। आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए बच्चों ने भी अपने विचार रखे और चंबल अंचल को पर्यटन की दृष्टि से उत्कृष्ट स्थान बताया, इस अवसर पर जिनेश जैन, आशीष जैन सोनू, अतुल जैन, विवेक जैन बंटी, मनोज नायक, महेश जैनबंगाली, संजय जैन, नीलेश जैन, रवि जैन, टिल्लू जैन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

नेकी की दीवार पर दिल्ली के व्यापारियों ने किए 200 कंबल भेंट

मुरैना। रविवार को टीम नेकी की दीवार पर दिल्ली से आए जायसवाल समाज के 3 पदाधिकारी एवं व्यापारियों ने गरीबों के लिए दो सौ कंबल भेंट किए। सिविल सर्जन विनोद गुप्ता के आग्रह पर लगभग दो सौ कंबल दिल्ली से पधारे अतिथि जयसवाल समाज न्यास के महामंत्री कमलेश जैन सीए संयोजक, रुपेश कुमार जैन सुदीप कुमार जैन दिल्ली द्वारा प्रदान किए गए। इस अवसर पर राजेंद्र गोयल, पंकज गुप्ता, नरेंद्र सिकरवार, दुष्यंत सेंगर, किरण श्रीवास्तव, तिजेंद्र खेड़ा, दाऊदयाल डंडोतिया, सुभाष गोयल, गजेंद्र परमार आदि उपस्थित रहे। इस दौरान बाहर से पधारे हुए अतिथियों के द्वारा अस्पताल प्रकल्प के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई।

पॉवर लिफ्टिंग मैं रजत पदक लाने पर ईशा सिंह को दी बधाई

मुरैना। तुर्की में आयोजित एशियन पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर लाने वाली चंबल की बेटी ईशा सिंह को प्रजापिता ब्रह्माकमारी विश्वविद्यालय सेवा केंद्र पोरसा की प्रभारी कृष्णा बहिन सहित अन्य महिलाओं ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र पोरसा प्रभारी कृष्णा बहिन ने बताया कि ईशा सिंह ने तुर्की के इस्तांबुल में आयोजित एशियन पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में सीनियर वर्ग के 84 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देश के लिये रजत पदक जीतकर मुरैना का नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिख दिया है। ईश्वरीय परिवार की ओर से समाजसेवी हेमा अग्रवाल, ट्रेनर अरुण शर्मा, विजय राजे, संचिता अग्रवाल, सिद्धि अग्रवाल, नीतेश भाई आदि ने उन्हें बधाई दी है।

चोरी का पर्दाफाश शीघ्र नहीं हुआ तो होगा आंदोलनः पंकज

जौरा। नगर की नेहरू मार्केट तहसील चौराहा पर व्यापारी की दुकान से हुई 25 लाख रुपए की सनसनीखेज चोरी के मामले को लेकर कांग्रेसी नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पंकज उपाध्याय ने पुलिस प्रशासन को चेतावनी दी है कि शीघ्र ही चोरी का पर्दाफाश नहीं किया गया तो वह उग्र आंदोलन करेंगे जौरा विधानसभा क्षेत्र में लगातार चोरियां होने से आमजन भयभीत है।

ज्ञात रहे कि जौरा में सर्राफा व्यापारी राजेश गोयल की नेहरू मार्केट तहसील चौराहे स्थित दुकान पर विगत दिनों हुई चोरी में लगभग चोर 25 लाख का माल चोरी करके ले गए। पुलिस के द्वारा चोर गिरोह को पकड़ने के लिए कोई सक्रियता नहीं दिखाई जा रही, विधानसभा क्षेत्र में आए दिन चोरी की घटना हो रही है जिससे आमजन भयभीत है चोरी की वारदातों को लेकर जौरा नगर के सर्राफा व्यापारियों द्वारा विधानसभा प्रत्याशी रहे पंकज उपाध्याय से मिले और नगर में हो रही चोरियों को ट्रेस कराने की बात कही। उपाध्याय द्वारा व्यवसायियों को आश्वासन दिया गया कि अगर पुलिस जल्द से जल्द चोरों को नहीं पकड़ेगी और चोरी में शामिल लोगों को गिरफ्तार नहीं करेगी तो कांग्रेस पार्टी सामने आकर बड़ा आंदोलन करेगी। व्यवसायी के हित के लिए हमेशा खड़ी रही है, वैसे ही खड़ी रहेगी। पंकज उपाध्याय के साथ देवेंद्र सिंह सिकरवार भर्रा, प्रमोद शर्मा राजू मंत्री, ओमप्रकाश सकलेचा, सुनील सक्सेना, अभिषेक जैन अप्पू, नरेंद्र त्यागी, अजित वर्मा, विकास त्यागी, ऐदल महाना, आसाराम सिकरवार के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण में नप झुण्डपुरा को प्रदेश में मिला चतुर्थ स्थान

झुण्डपुरा। नगरपालिका परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारी अशोक बंसल के कुशल नेतृत्व में नगरपालिका परिषद झुण्डपुरा को सी.एम.हेल्पलाइन की शिकायत निवारण कर शिकायत बंद कराने में प्रदेश में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोगों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर सी.एम.हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, जिनके निवारण होने पर ही शिकायत हटाई जाती हैं। नगरपालिका परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारी अशोक बंसल ने इसे गंभीरता से लेते हुए अधिकांश लोगों की समस्याओं का निराकरण कर लोगों को सतुंष्ट किया तथा अपनी शिकायत सी.एम.हेल्पलाइन से बंद कराने का आग्रह किया। लोगों की विभिन्न समस्याओं का समाधान समय से हो जाने से स्थानीय लोग सी.एम.ओ.के काम की प्रशंसा कर रहे है। अशोक बंसल के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में सी.एम. हेल्पलाइन शिकायत निराकरण में नगरपालिका परिषद झुण्डपुरा प्रदेशभर में अव्वल रहा तथा उसे ए ग्रेड प्राप्त हुआ तथा कुल वेटेज स्कोर 95.94 रहा, जिससे न.प.झुण्डपुरा प्रदेश में निकायवार प्रथम स्थान प्राप्त किया व प्रदेश में चतुर्थ स्थान मिला।

फसल को शीत लहर व पाले से बचाने के लिये उपयोगी सलाह

मुरैना। वर्तमान में चल रही शीत लहर और कड़ाके की ठंड से फसलों को नुकसान होने की संभावना रहती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार जब तापमान पाँच डिग्री सेल्सियस से कम होने लगता है तब पाला पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। हवा का तापमान जमाव बिंदु से नीचे गिर जाए, दोपहर बाद अचानक हवा चलना बंद हो जाए, आसमान साफ रहे या उस दिन आधी रात से ही हवा रूक जाए, ऐसी परिस्थितियों में पाला पड़ने की संभावना अधिक रहती है। रात को विशेषकर तीसरे एवं चौथे पहर में पाला पड़ने की संभावना रहती है। साधारणतः तापमान चाहे कितना ही नीचे चला जाए यदि शीत लहर हवा के रूप में चलती रहे तो कोई नुकसान नहीं होता। पर इसी बीच हवा चलना रूक जाए और आसमान साफ हो तभी पाला पड़ता है, जो फसलों के लिये काफी नुकसानदेह साबित होता है।

शीत लहर एवं पाले से फसलों की सुरक्षा के उपाय

जब भी पाला पड़ने की संभावना हो या मौसम विभाग द्वारा पाले की चेतावनी दी गई हो, ऐसी स्थिति में फसल में हल्की सिंचाई कर देना चाहिए। हल्की सिंचाई से तापमान जीरो डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गिरेगा और फसल पाले से बच जायेगी। सिंचाई करने से खेत के तापमान में 0.5 से लेकर 2 डिग्री सेल्सियस तक तापमान में बढ़ोत्तरी हो जाती है। पाले से सबसे अधिक नुकसान नर्सरी में होता है। पाले से बचाने के लिये नर्सरी में पौधों को रात में प्लास्टिक की चादर से ढंकने की सलाह दी जाती है। ऐसा करने से तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है और सतह का तापमान जमाव बिंदु तक नहीं पहुँच पाता व पौधे पाले से बच जाते हैं। पॉलीथिन की जगह पर पुआल का उपयोग भी किया जा सकता है। पौधे ढंकते समय इस बात का जरूर ध्यान रखें कि पौधों का दक्षिणी पूर्वी भाग खुला रहे, जिससे पौधों को सुबह और दोपहर की धूप मिल सके। खेत के पास उत्तरी पश्चिमी दिशा की खेत की मेडों पर रात्रि में धुंआ करना चाहिए जिससे तापमान गलव बिंदु तक नहीं पहुंचे। इसी तरह पाले से बचने के लिये कुछ रासायनिक उपचार भी हैं। फसलों पर गंधक के तेजाब के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। इसके लिये एक लीटर गंधक के तेजाब को एक हजार लीटर पानी में घोलकर एक हैक्टेयर रकबे में प्लास्टिक के स्पेयर से छिड़काव किया जा सकता है। ध्यान रखना चाहिए कि पौधों पर घोल की फुहार अच्छी तरह लगे। इस छिड़काव का असर दो हते तक रहता है। यदि इसके बाद भी शीतलहर व पाले की संभावना बनी रहे तो 15 दिन के अंतराल से यह छिड़काव फिर से किया जा सकता है। इसी प्रकार थायोयूरिया 500 पीपीएम (आधा ग्राम) प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव किया जा सकता है।

बमरौली आश्रम पहुंचे कंसाना, संत हरिगिरी से लिया आशीर्वाद

मुरैना। मध्यप्रदेश पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के चेयरमैन रघुराज कंसाना ने रविवार को बमरौली पहुंचकर संत हरिगिरी महाराज का आशीर्वाद लिया। वहां शराबबंदी पर चल रही चार गांवों की पंचायत में कंसाना ने समाज के लोगों से मदिरापान छोडने की अपील भी की।

श्री कंसाना रविवार को दोपहर बमरौली स्थित संत हरिगिरी के आश्रम पहुंचे। तत्समय वहां शराबबंदी पर बमरौली, बीछिया, बसई सहित चार गांवों की पंचायत चल रही थी। कंसाना ने हरिगिरी महाराज से आशीर्वाद लिया। पंचायत में संत हरिगिरी महाराज ने कहा कि यदि शराब छोड दोगे तो बच जाओगे। यदि अभी भी नहीं संभले तो फिर कोई बचा नहीं सकेगा। रघुराज कंसाना ने भी कहा कि समाज के लोगों को शराब के सेवन से पूरी तरह दूर रहना चाहिए। इसके बाद रघुराज कंसाना ने आश्रम पर ही आयोजित भण्डारे में प्रसाद भी ग्रहण किया। इस दौरान नत्थी गुर्जर, जंडेल सिंह, महेश शर्मा, लोकेन्द्र कुशवाह, संजय दंडौतिया, योगेंद्र बैंसला, राजेन्द्र सिंह, मंगल सिंह सरपंच, नीरज भदौरिया, सुरेश डण्डौतिया उनके साथ मौजूद रहे।

हम सब फाउंडेशन ने आदिवासी परिवार के मध्य बिताया समय

-सांस्कृतिक एवं भावनात्मक परिदृश्य को जानने का किया प्रयास

मुरैना। सबलगढ़ एवं कैलारस के युवाओं द्वारा चलाए जा रहे हम सब फाउंडेशन की टीम 2 जनवरी को ग्राम शायपुरा (टेंटरा) आदिवासी ग्राम में पहुंची। टीम ने इस गांव में पहुँचकर बच्चे, बुजुर्ग तथा महिलाओं एवं युवाओं के साथ समय व्यतीत किया एवं क्षेत्र के लोगों की सांस्कृतिक एवं भावनात्मक परिदृश्य को जानने का प्रयास किया। इस दौरान टीम के सदस्यों के प्रोत्साहन करने पर महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक गीत गाए गए तथा बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की कलाबाजी का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों एवं टीम द्वारा राष्ट्रीय गान गाकर की गई। फाउंडेशन की टीम द्वारा बच्चों के लिए अनेक प्रकार की प्रतियोगिताएं तथा खेल खेले गए तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे गए व जवाब देने वाले बच्चों को बिस्कुट तथा बॉल पुरुस्कार स्वरूप दी गई। इसी क्रम में गांव के युवाओं को साथ में रखकर एक सभा आयोजित की गई, जिसमें लोगों की समस्याओं तथा गांव के उन्नति की संभावनाओं को जाना एवं जितना संभव हो मदद करने का प्रयास करने का वादा भी किया। कार्यक्रम के दौरान हम सब फाउंडेशन टीम द्वारा बच्चे, बुजुर्ग, महिला व पुरुषों को सर्दियों के कपड़े वितरित किए गए। जिसमें हम सब फाउंडेशन के सदस्य कमल बंसल, ज्ञानू बंसल, आकाश गर्ग, शिवम गर्ग, अभिषेक, बल्लू, मोना गुप्ता, शिवानी आर्य, सोना, नीलू, प्रगति बंसल, पूजा मंगल, तमन्ना अग्रवाल मौजूद रही।

रावत की नाराजगी

कांग्रेस में नेताओं के बीच आपसी मनमुटाव की प्रक्रिया बढ़ती जा रही है। एक के बाद एक राज्य और फिर तीसरे राज्य में पार्टी नेताओं के बीच मतभेद की खबरें लगातार सामने आ रही हैं, जो आलाकमान के लिए मुसीबत का सबब बन गई हैं। खासकर चुनावी राज्यों पंजाब और उत्तराखंड में विरोध के स्वर बढ़ रहे हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट के बीच तकरार है। पंजाब में मुख्यमंत्री चन्नी और प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बीच तकरार चल रही है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव के बीच मतभेद हैं। महाराष्ट्र में विधायक जीशान सिद्दीकी ने राज्य के पार्टी प्रमुख भाई जगताप के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अब उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत जल्द ही पार्टी को अलविदा कह सकते हैं। इसके संकेत हरीश रावत की तरफ से बुधवार को सोशल मीडिया पर अपलोड की गई दो पोस्ट से मिले हैं, जिनमें उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस आलाकमान के रवैये पर सवाल खड़े करते हुए साथ छोडने् का इशारा किया है। उत्तराखंड में साल 2022 में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में हरीश रावत के इस बयान के सियासी मायने बढ़ गए हैं। उधर, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और अब कांग्रेस के बागी हो चुके कैप्टन अमरिंदर सिंह ने रावत पर तीखा तंज कसा है। पंजाब में कांग्रेस छोडने् के लिए अमरिंदर रावत को बहुत हद तक जिम्मेदार मानते हैं। उन्होंने रावत से जुड़ी सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा- जो बोओगे, वही काटोगे। हरीश रावत को गांधी परिवार का बेहद करीबी माना जाता है, लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर बिना नाम लिए गांधी परिवार ही निशाना साधकर चौंका दिया है। रावत ने सोशल मीडिया पर लिखा- है न अजीब सी बात, चुनाव रूपी समुद्र में तैरना है, सहयोग के लिए संगठन का ढांचा अधिकांश स्थानों पर सहयोग का हाथ आगे बढ़ाने के बजाय या तो मुंह फेर कर खड़ा हो जा रहा है या नकारात्मक भूमिका निभा रहा है। जिस समुद्र में तैरना है, सत्ता ने वहां कई मगरमच्छ छोड़ रखे हैं। जिनके आदेश पर तैरना है, उनके नुमाइंदे मेरे हाथ-पांव बांध रहे हैं। मन में बहुत बार विचार आ रहा है कि हरीश रावत अब बहुत हो गया, बहुत तैर लिए, अब विश्राम का समय है! 2019 लोकसभा चुनाव के बाद से ही कांग्रेस पार्टी अपने वरिष्ठ नेताओं के बगावती तेवरों से परेशान रही है। हरीश रावत से पहले मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पार्टी से नाराज होकर भाजपा का दामन थाम लिया। वहीं, राजस्थान में सचिन पायलट में भी बगावती तेवर दिखाए थे। हालांकि, उन्हें मना लिया गया, ऐसा दावा किया जा रहा है। इसके बाद कांग्रेस के चोटी के 23 नेताओं ने जी-23 नाम से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी नेतृत्व पर हमला बोला था। हाल ही में कांग्रेस को बड़ा झटका तब लगा था, जब पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने पार्टी का साथ छोड़कर अपनी खुद की नई पार्टी बना ली। कांग्रेस के भीतर नेताओं के अर्श से फर्श पर आने की गति कितनी तेज है, इसका सबूत कैप्टन अमरिंदर सिंह के बाद अपनी हताशा जाहिर करने वाले हरीश रावत दे सकते हैं। दरअसल, उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत का दर्द सोशल मीडिया पर छलक आया है। वैसे, हरीश रावत का ये गुस्सा कांग्रेस आलाकमान से लेकर उत्तराखंड कांग्रेस इकाई तक के खिलाफ नजर आ रहा है। अभी कुछ दिन पहले की ही तो बात है, जब पंजाब कांग्रेस में लगी आग को बुझाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के कहने पर हरीश रावत को भेजा गया था। उन्होंने आग तो क्या ही बुझाई, कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ पंजाब कांग्रेस के लोगों को जमा करवाया और कैप्टन को कांग्रेस से बाहर का दरवाजा दिखा दिया था, लेकिन, अब वक्त ने करवट ली है।

मुझे कार्यकर्ता पद से कोई हटा नहीं सकता

प्रभात झा

आगरा स्थित बटेश्वर निवासी सामान्य शिक्षक श्री कृष्ण बिहारी वाजपेयी के ग्वालियर स्थित घर अटलजी पैदा हुए। उनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी। भारत में उन्होंने अपनी वाणी से लोगों के दिल में अपना स्थान बनाया। केरल से कश्मीर और अटक से कटक तक उन्होंने अपनी वाणी के प्रभाव से करोड़ों लोगों को जोड़ा। अथक साधना से निर्मित अटलजी का जो व्यक्तित्व हमारे सामने है, उनके कौन से रूप का वर्णन हो, कौन सा अछूता छोड़ दिया जाए, यह निर्णय कठिन है। समग्र समेटना तो संभव नहीं, फिर भी उनका स्मरण आते ही उनकी सौम्य छवि आंखों में तैर जाती है। ग्वालियर की गलियों से निकलकर प्रधानमंत्री बनने की इस यात्रा में अनेक पड़ावों से गुजरते हुए अटलजी ने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व को अहर्निश साधना के साथ जिन ऊंचाइयों तक पहुंचाया, उन्हें शब्दों में बांधना कठिन है। उनका व्यक्तित्व उस सरिता की तरह रहा जो निर्बाध गति से निश्छल बहती रहती है, हर पथिक की प्यास बुझाती है, किन्तु अपने अंदर बहुत कुछ समेटे रहती है। वे उदारता के प्रतीक थेद्य वे सदैव सिद्धांत पर अडिग रहेद्य उन्होंने भले ही प्रधानमंत्री बनने का सपना न सोचा हो, पर देश सदैव उनके बारे में सोचता रहा की आज नहीं तो कल, अटलजी प्रधानमंत्री बनेंगेद्य

मध्य प्रदेश के दतिया निवासी विभाग संघचालक स्वर्गीय राजेंद्र तिवारी ने %हमारे अटलजी% नामक पुस्तक में संस्मरण लिखते हुए बताया कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक श्री गुरुजी गोलवलकर ने कहा था, ÷मैं आपको संघ के पांच पांडव दे रहा हूं। ये भारत के कर्णधार एवं सजग प्रहरी होंगे।÷ श्रीगुरुजी ने पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी को युधिष्ठिर, अटलजी को अर्जुन, जगन्नाथ राव जोशीजी को भीम, यज्ञ दत्त शर्माजी को नकुल और वसंत राव ओकजी को सहदेव कहा करते थे। उनके ये संबोधन अटलजी के लिए अर्जुन के रूप में सत्य ही चरितार्थ हुआ। अपने सम्पूर्ण जीवन को राष्ट्र की सेवा में प्रतिक्षण समर्पित करने वाले भारत माता के सपूत अटलजी पर सम्पूर्ण राष्ट्र गौरवान्वित रहा। उनका अपने सम्पूर्ण जीवन में व्यक्तिगत कुछ भी नहीं रहा, राष्ट्र की सेवा और संघ का सिद्धांत ÷तन समर्पित मन समर्पित और ये जीवन समर्पित÷ के जीवंत मूर्तिस्वरूप अटलजी भारत के प्रत्येक वर्ग में और मुख्यतः युवा हृदयों के सम्राट के रूप में पहचाने गए। राष्ट्रवाद, अनुशासन, निष्ठापूर्वक ध्येयपूर्ति के लिए सतत प्रयास, ऐसे अनेक गुण जो एक स्वयंसेवक के रूप में उन्हें प्राप्त हुआ, उनके महान और सर्वस्वीकार्य छवि को गढ़ने का काम किया। अटलजी पाञ्चजन्य, स्वदेश एवं वीर अर्जुन के सम्पादक रहे। भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जब बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर जाने की घोषणा की, अटलजी उनके साथ बतौर वैचारिक पत्रकार के रूप में गए। डॉ. मुखर्जी को जम्मू-कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर में जब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया तो उन्होंने अटलजी से कहा, ÷वाजपेयी गो बैक एंड टेल द पीपल ऑफ़ इंडिया, डॉ. मुखर्जी हैज इंटरड जम्मू एंड कश्मीर विदाउट परमिट।÷ डॉ. मुखर्जी की ये बात सुन अटलजी वहां से लौटे। इसी बीच डॉ. मुखर्जी की वहां रहस्यमय परिस्थिति में मृत्यु हो गई। अटलजी ने वहीं मन में ठाना कि डॉ. मुखर्जी के अधूरे सपनों को पूरा करना है। इसके बाद ही वे भारतीय जनसंघ के कार्य में पूर्णतः जुट गए।

अटलजी थे तो जनसंघ और आगे भाजपा के, परंतु उन्हें सभी दलों के लोग अपना मानते थे। उनकी ग्राह्यता और स्वीकार्यता तो इसी से पता लग जाती है कि अटलजी को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री कांग्रेस के नेता पी.वी. नरसिंहराव ने सन् 1994 में प्रतिपक्ष का नेता रहते हुए जिनेवा म् संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत के प्रतिनिधिमंडल के नेता के रूप में भेजा था। जबकि ऐसी बैठकों में भारत का प्रधानमंत्री या अन्य ज्येष्ठ मंत्री ही नेता के रूप में जाते हैं, इस घटना से सारा विश्व चकित था।

नरसिंहराव ने अपने एक भाषण में कहा था कि, ÷अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर अटलजी की जानकारी और विदेश मंत्री के तौर पर उनके अनुभव के कारण आज विश्व में वह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के शीर्ष विशेषज्ञों में से एक हैं।÷ भारत के राजनैतिक विश्लेषकों का मानना था कि अटलजी अगर दस वर्ष पूर्व भारत के प्रधानमंत्री बन गए होते तो भारत का भविष्य कुछ और होता। आजादी के दूसरे दिन जो प्राथमिकताएं तय होनी थीं, वह अटलजी के प्रधानमंत्री बनने तक तय नहीं हुई थीं।

सत्ता-लोलुपता के ऊहापोह के बीच निर्विकार भाव से जनसेवा के लिए प्रस्तुत रहने का सामर्थ्य हर किसी में हो ही नहीं सकता। दलगत राजनीति के जंगलराज में अपने आप को निष्पक्ष रख पाना अत्यंत दुष्कर कार्य है। अटलजी विदेश मंत्री रूप में, नेता प्रतिपक्ष के रूप में और प्रधानमंत्री की महत्वपूर्ण भूमिका के दायित्व का निर्वाह करते हुए इन मर्यादाओं का पालन किया। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रतिपक्ष में रहते हुए अटलजी रचनात्मक आलोचना के हिमायती थे। रचनात्मक दृष्टिकोण तभी संभव है जब गहन अध्ययन, सभ्यता, बाह्य और संस्कृति के अंतरंग स्वरूप से सुपरिचय, जीवन मूल्यों के प्रति लगाव और मनुष्य-मनुष्य के बीच रागात्मक संबंधों की स्थापना का लगन हो।

अटलजी को प्रधानमंत्री बनने की यात्रा में सफलता की पुष्पमालाएं ही नहीं मिलती रहीं, ऐसे क्षण भी आए जब एक तरफ जनसंघ के संस्थापक डॉ. मुखर्जी की 1953 में संदिग्ध मौत हो गई वहीं पंडित दीनदयालजी की दारुण और रहस्यमय हत्या हो गई। इसके बाद दल को घोर निराशा और वेदना के भंवर से उबारने वाले नाविक की भूमिका इन्हें निभानी पड़ी। चुनावों को सफलता का एकमात्र मापदंड माननेवालों की दृष्टि में संसद में केवल दो स्थान, जो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में लड़े गए पहले चुनाव में पाई गई तीन सीटों से भी कम थी, तब आस्था और विश्वास का संबल बनना पड़ा, ऐसे क्षण भी आए। अटलजी इसके बाद भी टूटे नहींद्य इसके बाद भी देशभर में प्रवास की अखंड धारा चलीद्य संसद से सड़क तक संघर्ष जारी रखाद्य

सन 1984 में अटलजी ग्वालियर से चुनाव लड़ रहे थे। वे उस चुनाव में पराजित हो गए। इसके बाद वे रक्षाबंधन के पर्व पर अपनी छोटी बहन से राखी बंधवाने ग्वालियर आए, उस समय पत्रकार के नाते इस पंक्ति का लेखक वहां उपस्थित था। हम सभी पत्रकार उनके पास पहुंचे। एक वरिष्ठ पत्रकार ने अटलजी से कहा, आपके भाषण सुनकर जनता के मन में अपार श्रद्धा उत्पन्न होती है। अटलजी ने त्वरित जवाब देते हुए कहा, ÷भाषण में श्रद्धा और वोट में श्राद्ध।÷ यह सुनकर सभी पत्रकारों ने राजनीति की गहराई समझा। अटलजी मनोविनोद में बहुत गहरी बातें कह जाते थेद्य उन्होंने अपनी वाणी की शैली से अपनी अलग पहचान बनाईद्य वे भारत के ऐसे राजनेता थे जिनकी सभा का सन्देश सुनकर लाखों लोग सहज उन्हें सुनने आ जाते थेद्य

अटलजी प्रधानमंत्री बनें, यह सिर्फ भाजपा की नहीं बल्कि पूरे भारत की इच्छा थी। वर्षों तक विपक्ष के नेता रहते हुए भारत का अनेक बार भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान अपनी वाणी से प्रत्येक भारतीयों को जहां जोड़ा और भारत को समझा, वहीं सदन के भीतर सत्ता में बैठे लोगों पर मां भारती के प्रहरी बनकर सदैव उनकी गलतियों को देश के सामने रखते रहे। भारतीय राजनीति में विपक्ष में रहते हुए जितने लोकप्रिय और सर्वप्रिय अटलजी रहे, प्रधानमंत्री रहते हुए भी पण्डित जवाहरलाल नेहरू उतने लोकप्रिय नहीं हुए। अटलजी के आचरण और वचन में लयबद्धता और एकरूपता थी। वे जब तक सदन में विपक्ष या सत्ता में रहे तब तक सदन के राजनैतिक हीरो अटलजी ही रहे। इस बात को हम नहीं बल्कि तत्कालीन अनेक वरिष्ठ नेतागण स्वयं कहते थे। सन् 1996 में पहली बार 13 दिन के लिए प्रधानमंत्री बनने, बाद में सन् 1999 में मात्र एक वोट से सरकार गिर जाने जैसी दुखद स्थिति में भी न वे स्वयं विचलित हुए, न पार्टी के सदस्यों को हार के कारण दुखी और हतप्रभ होने दिया। यह सब तभी संभव है जब व्यक्ति में आत्मबल हो और अपने आप पर पूर्ण विश्वास हो।

ध्यान की तरंग

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को, जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे, तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी, तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो, व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ, पद कमाओ, सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ, अच्छे से अच्छे बच्चे हों, बड़ा मकान हो, कार हो, कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा, अगर वह सुख याद रहे। तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है, उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया, फिर यह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है, सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है, जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ?सी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप, परिवार, समाज, स्कूल बंद कर देते हैं, पर्दे को डाल देते हैं। ?सा डाल देते हैं कि तुम भूल ही जाते हो कि यहां द्वार है, तुम समझने लगते हो दीवार है। ध्यान का अर्थ है, इस पर्दे को हटाना। और इसे अनायास होने दो इसे कभी-कभी तुम्हें पकड़ लेने दो- और जब तुम्हें यह तरंग पकड़े, तो लाख काम छोड़कर बैठ जाना।

भारत रत्न के सच्चे हक़दार है चौधरी चरण सिंह

रमेश सर्राफ धमोरा

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे।

चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे। चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। चौधरी चरण सिंह कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। इसीलिये देश के लोगो का आज भी मानना है कि चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है।

चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर,1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी। किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे।

प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता यक्ष प्रश्न बना..!!!

सूडोकु नवताल- 5939

★★★★☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5938 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

विजय कुमार जैन

पत्रकारिता या मीडिया को प्रजातांत्रिक शासन प्रणाली में चौथा स्तंभ माना गया है। प्रजातंत्र में संवैधानिक व्यवस्था में तीन स्तंभ होते है विधायिका, कार्यपालिका और न्याय पालिका। इन तीन स्तंभों से भी बढ़कर चौथे स्तंभ निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता का माना गया है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता जिसे हम गर्व से प्रजातंत्र का चौथा स्तभं कहकर सम्मान करते है। उस चौथे स्तंभ को आज किस स्थिति से गुजरना पड़ रहा है किन किन गंभीर चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है यह हमारे चिंतन का विषय है। देश 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की सदियों की गुलामों की जंजीरों से आजाद हुआ। 26 जनवरी 1950 को संविधान के अनुरूप लोक तांत्रिक शासन प्रणाली को लागू किया गया। उस समय देश के कर्णधारों ने जोर शोर से कहा प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ निष्पक्ष पत्रकारिता है जो समय समय पर अपनी कलम से अन्याय और अत्याचार को उजागर करेगा। जब देश आजाद हुआ पत्रकारिता का एक मात्र माध्यम समाचार पत्र थे। समाचार पत्रों का प्रकाशन देश के नामी औद्योगिक घरानों ने कर सबसे पहले निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता का गला घौंटा।

समाचार पत्र के मालिक के ही इसारे पर चलना संपादक एवं पत्रकार की मजबूरी है। जो पत्रकार जिस समाचार पत्र के लिये काम करता है वह अखबार मालिक की इच्छा के विरूद्ध अपनी लेखनी नही चला सकता। अगर इच्छा के विरुध्द कभी लिख दिया तो उस पत्रकार की उसी दिन छुट्टी कर दी जाती है। आज मीडिया के तीन माध्यम है। सबसे पहले समाचार पत्र ही एक मात्र माध्यम थे। पिछले लगभग 25- 30 वर्ष से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अर्थात् टी वी चेनलों ने प्रवेश किया है। इन मीडिया के दो माध्यम के अलावा पिछले लगभग 10 - 15 वर्ष से सोशल मीडिया भी जोर शोर से सक्रिय हुआ है। आज हम देखते है देश की आजादी के 74 वर्ष बाद भी देश में स्वतंत्र एवम् निष्पक्ष पत्रकारिता का गला घोंटा जा रहा है।पहले निष्पक्ष पत्रकारिता समाचार पत्रों के मालिकों के हस्तक्षेप से प्रभावित थी। वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने पूरी तरह से पैर पसार लिये हैं। टी व्ही चैनलों के मालिकों ने निष्पक्ष पत्रकारिता का गला घौंट दिया है। चैनल बाले जिसे चाहते हैं वही समाचार निरंतर प्रसारित होता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर गोदी मीडिया या बिकाऊ मीडिया आदि अनेक आरोप लग रहे हैं। हम जिसे प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ कहते है वह भारतीय मीडिया आज उधोगपतियों एवम् बड़े बड़े अखबार मालिकों, चैनल मालिकों के यहाँ गिरबी रखा है। मालिक की

इच्छा अनुरूप पत्रकार को अपनी लेखनी चलानी पड़ती है या चैनल पर बोलना पड़ता है। जब पत्रकार अपनी कलम को स्वतंत्र रूप से नही चला सकता तो यह कहना वेमानी है कि भारतीय मीडिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है। अखबार में या टी व्ही चैनल पर काम कर रहे पत्रकार को कदम कदम पर यह भय रहता है कि कब मालिक नाराज हो जाये और घर का रास्ता दिखा दे। म. प्र. में मात्र दो या तीन समाचार पत्र है जिन्होंने ने अपने यहाँ काम करने बाले पत्रकारों को वेतनमान से वेतन एवं सुविधाएं देना प्रारंभ किया है। देश के नेता एवं अधिकारी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता में सबसे बड़ी बाधा है। अपने स्वार्थों की रक्षा के लिये ये पत्रकारों का अपने अनुसार उपयोग कर रहे है। जिला स्तर पर अधिकारी गण पत्रकारों में फूट डालकर दो गुट करा देते है। निडर एवं निष्पक्ष रिपोर्टिंग करने बाले पत्रकारों को तरह तरह से प्रताड़ित किया जाता है.उन्हे धमकियाँ दी जाती है गुण्डों से पिटवाया जाता है। वकील के माध्यम से मोटी राशि का मानहानि नोटिस भेजा जाता है। पत्रकारों पर ब्लैक मेलिंग के गंभीर आरोप लगाकर उनका चरित्र हनन किया जाता है। हम यह नही कह रहे कि सभी पत्रकार या मीडिया से जुड़े व्यक्ति राजा हरिश्चंद्र के वंशज है। हम मानते है कि इस जाति में भी कुछ पथ भृष्ट तत्व हो सकते है मगर उन पथ भृष्ट गिने चुने लोगों से पूरे समाचार जगत को एक ही चश्मे से देखना अन्याय होगा। यह भी सर्वमान्य सत्य है मीडिया से जुड़े हमारे साथियों को पथ भृष्ट करने में राजनेताओं और अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की स्वतंत्रता आज चुनौतीपूर्ण कठिन कार्य है। निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता आज जोखिम से भरा कठिन कार्य है। गत दिनों एक प्रकरण आया है जिसमें न्याय के लिए देश के ख्याति प्राप्त पत्रकार ने भारत की सर्वोच्च न्यायालय में शरण ली वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ जिन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। पत्रकार दुआ के विरुद्ध राजद्रोह का मामला सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया है।

म्यांमारः भारत का मध्यम मार्ग

वेदप्रताप वैदिक

यह खुशी की बात है कि भारत सरकार अब म्यांमार (बर्मा) के बारे में सही और स्पष्ट रवैया अपना रही है। जिस दिन म्यांमार की नेता आंग सान सू ची को चार साल की सजा घोषित हुई थी, उसी समय मैंने लिखा था कि भारत सरकार की चुप्पी ठीक नहीं है। जब भी पड़ौसी देशों में लोकतंत्र का हनन हुआ है, भारत कभी चुप नहीं रहा है। चाहे वह पूर्वी पाकिस्तान हो, नेपाल हो, भूटान हो या मालदीव हो। लेकिन अब हमारे विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने स्वयं म्यांमार जाकर उसके फौजी शासकों, सू ची के पार्टी नेताओं और कई देशों के राजदूतों से खुला संवाद किया है। श्रृंगला ने साहसिक पहल की और फौजी शासकों से कहा कि वे जेल जाकर सू ची से मिलना चाहते हैं। फौजियों ने उसकी अनुमति उन्हें नहीं दी लेकिन इससे यह तो प्रकट हो ही गया कि भारत म्यांमार की घटनाओं के प्रति तटस्थ या उदासीन नहीं है। श्रृंगला ने फौजी शासकों को स्पष्ट कर दिया है कि भारत अपने इस पड़ौसी देश के लोकतंत्र के बारे में पूरी तरह से चिंतित है। 'एसियान' संगठन का म्यांमार सदस्य है लेकिन उसने आजकल म्यांमार का बहिष्कार कर रखा है लेकिन भारत उसके प्रति इतना सख्त रवैया नहीं अपना सकता। उसके दो कारण हैं। पहला तो यह कि भारत के नगा और मणिपुर के बागियों को नियंत्रित करने में बर्मी फौज भारत की सक्रिय मदद करती है और दूसरा चीन वहां हर कीमत पर अपना वर्चस्व बढ़ाने पर आमादा है। संयुक्तराष्ट्र संघ में म्यांमार के फौजियों की काफी लानत-मलामत हो रही है लेकिन भारत ने म्यांमार पर मध्यम मार्ग अपना रखा है। वह फौज के खिलाफ खुलकर नहीं बोल रहा है लेकिन उस पर अपना कूटनीतिक दबाव बराबर बना रहा है ताकि बर्मा में लोकतंत्र की वापसी हो सके। भारत ने पहले भी सू ची और फौज के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। म्यांमार में स्थित महाशक्तियों के राजदूतों ने भी श्रृंगला को सचेत करना उचित समझा। यह सच है कि 'एसियान' और संयुक्तराष्ट्र संघ में म्यांमार के खिलाफ सिर्फ प्रस्ताव पारित कर देने से खास कुछ होनेवाला नहीं है। भारत का मध्यम मार्ग ही इस समय व्यावहारिक और उचित है।

शाहरुख और नयनतारा अभिनीत एटली की फिल्म में नजर आएंगी आकांक्षा सिंह

बॉलीवुड के बादशाह माने जाने वाले अभिनेता शाहरुख खान की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। फैंस काफी समय से शाहरुख अभिनीत एटली की अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में साउथ अभिनेत्री नयनतारा और राणा दग्गुबाती भी नजर आने वाले हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो इस बहुचर्चित फिल्म में अभिनेत्री आकांक्षा सिंह भी दिखने वाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख अभिनीत एटली की अगली फिल्म के लिए आकांक्षा को अप्रोच किया गया है। एक सूत्र ने कहा, फिल्म निर्माता हमेशा नई जोड़ियों और नए चेहरों की तलाश में रहते हैं। इस बात को देखते हुए कि आकांक्षा को बड़े पर्दे पर ज्यादा नहीं देखा गया है। इसकी बहुत संभावना है कि मेकर्स ने फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें अप्रोच करने का फैसला किया है।

सूत्र ने बताया कि मेकर्स आकांक्षा से बातचीत में लगे हैं। उनके किरदार के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। कहा जा रहा है कि उन्होंने अभी इस प्रोजेक्ट को साइन नहीं किया है। इस संबंध में मेकर्स की तरफ से आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। एक सूत्र ने कहा कि आने वाले सप्ताह में इस संबंध में घोषणा हो सकती है। फिलहाल शाहरुख की इस फिल्म का टाइटल तय नहीं किया गया है।

आकांक्षा को फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया में देखा गया था। इस फिल्म में वरुण धवन लीड रोल में थे। हाल में आकांक्षा अजय देवगन की फिल्म मेडे को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। आने वाले दिनों में यह फिल्म रिलीज होगी।

शाहरुख की इस फिल्म में दग्गुबाती विलेन के किरदार में नजर आएंगे। यह पहली बार होगा जब अभिनेता शाहरुख और दग्गुबाती एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। शाहरुख की इस फिल्म में प्रियामणि, सान्या मल्होत्रा और सुनील ग्रोवर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। फिल्म की पटकथा को एटली ने खुद अपने लेखकों की टीम के साथ विकसित किया है। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे कई भाषाओं में बनाया जाएगा। फिल्म की शूटिंग पुणे में शुरू हो चुकी है।

यह फिल्म सुपरहिट वेब सीरीज मनी हाइस्ट से प्रेरित है। हाल में इस सीरीज का पांचवां सीजन रिलीज हुआ है। शाहरुख फिल्म में एक बड़ी बैंक डकैती को अंजाम देते दिखेंगे। इसी के परिणामस्वरूप शाहरुख के दो पात्रों के बीच आमना-सामना होगा। शाहरुख फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे। विलेन के साथ शाहरुख का दूसरा कैरेक्टर फिल्म में पुलिस वाले की भूमिका में नजर आएगा। अंतिम बार शाहरुख को 2018 में आई फिल्म जीरो में देखा गया था।

पुलिस की भूमिका निभाना चाहती हूं:अलीशा पंवार

अभिनेत्री अलीशा पंवार की लघु फिल्म ब्लाइंड लव - पार्ट 2 की स्ट्रीमिंग शुरु हो गई है। अभिनेत्री ने इस पर अपना उत्साह साझा किया। फिल्म के बारे में अधिक बात करते हुए अलीशा कहती हैं कि फिल्म में काम करने का पूरा अनुभव बहुत अच्छा है। मैंने ब्लाइंड लव के साथ लघु फिल्मों में शुरूआत की है। यह मेरे द्वारा निभाई गई नैना नाम की लड़की और एक लड़के की एक साधारण प्रेम कहानी है। यह पहली बार था जब मैंने एक दृष्टिबाधित लड़की का किरदार निभाया है, इसलिए इस किरदार की तैयारी में बहुत मेहनत लगी है। ब्लाइंड लव 2 से उसकी क्या उम्मीदें हैं? इस पर उन्होंने कहा कि पहले सीजन पर काम करते हुए, हम ब्लाइंड लव की एक टीम के रूप में कभी भी परिणाम की भविष्यवाणी नहीं कर सकते थे। एक एक्टर के रूप में मैंने अपना दिल और

आत्मा नैना में डाल दिया है और परिणाम हमारे सामने है। एक टीम के रूप में , मैं निश्चित रूप से चाहती हूं कि सीजन 2 अच्छा करे। हमने काम करने का एक अच्छा समीकरण साझा किया है और यह जीवन भर के लिए एक अनुभव है,। प्रदीप खैरवार द्वारा निर्देशित ब्लाइंड लव 2 में एक्टर शगुन पांडे भी हैं। शॉर्ट फिल्मों में डेब्यू करने के बाद क्या वह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर वेब सीरीज, फिल्में करने की कोशिश करेंगी? वह जवाब देती है कि क्यों नहीं? मैं ऐसी भूमिका पसंद करूंगी जो संबंधित हो और मैं प्रयोग कर सकूं। मैं अपने प्रदर्शन से अपने दर्शकों का मनोरंजन करना पसंद करूंगी। मैं पुलिस की भूमिका निभाना चाहती हूं।। मुझे यकीन है कि मैं उसके साथ न्याय कर पाऊंगी। ओटीटी पर एक बोल्ड भूमिका करने के बारे में बोलते हुए अलीशा कहती हैं कि यह निर्भर करता है कि मुझे क्यों और क्या ऑफर किया गया है। बहुत पतली रेखा है। जाहिर है, सिर्फ इसे करने के लिए मैं ऐसा कुछ कभी नहीं करूंगी। तो क्या आप मानते हैं कि महामारी के बाद ओटीटी एक वरदान बन गया है? उन्होंने कहा कि केवल महामारी के दौरान नहीं क्योंकि यह हमेशा एक वरदान रहा है जैसा कि मैंने एक एक्टर के रूप में उल्लेख किया है।

सलमान खान के शो बिग बॉस 15 में नजर आ सकती हैं रिया चक्रवर्ती

बिग बॉस ओटीटी का पहला सीजन हाल में समाप्त हुआ है। दिव्या अग्रवाल ने बिग बॉस ह्रुञ्ज्ञ का खिताब अपने नाम किया है। उन्हें ट्रॉफी के साथ 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया है। इसी के साथ अब टीवी पर आने वाले सलमान खान के शो बिग बॉस 15 का इंतजार है। जानकारी सामने आ रही है कि सलमान के इस शो में मशहूर अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती नजर आ सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बिग बॉस 15 में रिया अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकती हैं। रिया को अंधेरी के एक स्टूडियो में देखा गया था, जिससे बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि वह सलमान के शो में नजर आएंगी। बता दें कि यही वह स्टूडियो है, जहां बिग बॉस 15 की कन्फर्मड प्रतिभागी तेजस्वी प्रकाश को स्पॉट किया गया था। इसी स्टूडियो में बिग बॉस की पूर्व प्रतियोगी दलजीत कौर को भी देखा गया था।

स्टूडियो के बाहर से आई रिया की तस्वीरें वायरल हो गई हैं। हालांकि, इस संबंध में रिया की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह प्रतिभागी के तौर पर शो में शामिल होंगी या उन्हें एक मेहमान के तौर पर देखा जाएगा। ऐसी भी चर्चा चल रही है कि वह शनिवार को शो की ओपनिंग नाइट में परफॉर्म करेंगी। बिग बॉस 15 का प्रसारण कलर्स चैनल पर 2 अक्टूबर से शुरू होगा। रिया को हालिया रिलीज हुई फिल्म चेहरे में देखा गया है। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी दिखे हैं। रिया पिछले साल अपने बॉयफ्रेंड और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद सुर्खियों में आई थीं। अभी तक बिग बॉस 15 में शामिल होने के लिए कुछ प्रतिभागियों के नाम सामने आ चुके हैं। इनमें शमिता शेट्टी, डोनल बिष्ट, प्रतीक सहजपाल, निशांत भट, करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश, सिम्बा नागपाल, अफसाना खान के नाम शामिल हैं। वूट पर शो का सफर रोमांचकारी रहा। फिनाले में शमिता, निशांत, प्रतीक और राकेश बापट ने जगह बनाई थी। निशांत फर्स्ट रनरअप रहे तो शमिता ने तीसरा स्थान हासिल किया। राकेश तीसरे उपविजेता रहे थे। बिग बॉस 15 में एक सीट बुक करने के बदले विजेता की ट्रॉफी की दौड़ से बाहर निकलने का मौका दिया गया था। मौके को भुनाते हुए प्रतीक बिग बॉस 15 के पहले प्रतियोगी बने। यह लोकप्रिय शो अमेरिकी टीवी रियलिटी शो बिग ब्रदर के प्रारूप का अनुसरण करता है।

दांत ही नहीं इन 10 जगहों के लिए भी फायदेमंद है टूथपेस्ट, इस्तेमाल करके देखिए

प्रतिदिन सुबह उठते ही हम कुल्ला करने के साथ ही ब्रश करते हैं। दाँतों की सफाई और रात का खाना खाने के बाद मुँह में पैदा हुई बदबू को दूर करने के लिए हम ब्रश पर टूथ पेस्ट लगा कर दाँतों को चमकाते हैं। टूथपेस्ट करने के बाद मुंह से बदबू आना बंद हो जाती है और शरीर में नई ताजगी का अहसास होता है। बहुत ही कम लोगों को यह जानकारी होगी कि टूथपेस्ट से सिर्फ दांतों को साफ करने का काम ही नहीं किया जाता है अपितु यह कई अन्य कामों में भी इस्तेमाल की जा सकती है।

आइए डालते हैं एक नजर उन दूसरे कामों पर जिनमें हम टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं—

1. कई बार रसोई में काम करते हुए अचानक से महिलाओं के हाथ या बाँह गरम तवे या गरम बर्तन से छू जाता है। जिस स्थान पर यह गरम अचानक से लगता है वहाँ पर छाले पडऩे की सम्भावना हो जाती है। यदि आप चाहते हैं कि आपको छाले या फफुले न पड़े तो तुरन्त उस स्थान पर आप टूथपेस्ट लगा लें। टूथपेस्ट लगाने के बाद आपको उस स्थान पर ठंडक का अहसास होने के साथ ही फफूले भी नहीं होंगे।
2. किशोरावस्था में कदम रखते ही युवाओं के चेहरे पर कील मुंहासे अर्थात् पिंपल निकलने शुरू हो जाते हैं। यदि आपके चेहरे पर पिंपल निकल रहे हैं तो आप उन पर टूथपेस्ट लगा लें। कम से कम 20 मिनट बाद आप उसे ठंडे पानी से धो लें। आपके चेहरे पर पिंपल अर्थात् मुँहासे कम हो जाएंगे।
3. अगर आप के कपड़ों पर स्याही का दाग लग गया है तो आप उस पर कुछ मिनटों के लिए टूथपेस्ट लगाकर छोड़ दें। फिर धो लें। दाग चला जाएगा।

4. वैसे तो चांदी और पीतल के बर्तनों को साफ करने के लिए मिट्टी और अमचूर का प्रयाग किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि टूथपेस्ट का प्रयोग चांदी और पीतल के बर्तनों को को साफ करने के लिए किया जा सकता है। ब्रश पर थोड़ा सा पेस्ट लेकर चांदी और पीतल के बर्तनों पर लगा दे और थोड़ी देर बाद उसे पानी से धो लें। आपके चांदी और पीतल के बर्तन नए बर्तनों की तरह दमकने लगेंगे।
5. मच्छर या कीड़ा काट ले, तो उस जगह पर टूथपेस्ट लगा लें। यह दर्द को कम करेगा।
6. महिलाएँ अक्सर अपने हीरे जड़ित कंगनों को साफ करने के लिए परेशान होती नजर आती हैं। यदि आपके पास हीरे जड़ित कंगन या अंगूठी है तो आप उसे चमकदार बनाने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं।
7. कमोबेश हर परिवार के बाथरुम नलों में जंग लगी नजर आती है। यदि स्टील के नल हैं तो उन पर अजीब से सफेद परत नजर आने लगती हैं। नलों को फिर से नया बनाने के लिए आप उसे टूथपेस्ट लगाकर धो लें तो नल फिर से नए हो जाएंगे।
8. अपने नाखूनों को प्राकृतिक चमक देने के लिए हलका सा टूथपेस्ट नाखूनों पर लगाएं और टूथब्रश से साफ कर लें।
9. चश्मे को साफ करने के लिए हल्का सा टूथपेस्ट लगा कर चश्मे को पोंछ लें।
10. चाय का कप या पानी का गिलास वुडेन फर्नीचर पर रख देते हैं, जिस से वहां पानी का गोल निशान सा बन जाता है। इस निशान को हटाने के लिए हलका सा टूथपेस्ट उस जगह लगा दें और साफ कपड़े से पोंछ लें।

आलिया भट्ट स्टारर 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की रिलीज डेट का हुआ ऐलान, नए साल पर धमाल मचाएगी फिल्म

महाराष्ट्र में जब से सिनेमाघर खोले जाने को हरी झंडी मिली है, तभी से मेकर्स लगातार फिल्मों का ऐलान कर रहे हैं. ऐसे में अब इस लिस्ट में संजय लीला भंसाली और आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी भी शामिल हो गई हैं. हाल ही में गंगूबाई काठियावाड़ी की रिलीज डेट सामने आई है. संजय लीला भंसाली ने भी आलिया भट्ट और अजय देवगन अभिनीत फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है. लंबे समय से इस फिल्म के रिलीज का फैंस इंतजार कर रहे थे, बता ये ये मूवी 2022 के जनवरी में पर्दे पर रिलीज होने वाली है.

आपको बता दें कि संजय लीला भंसाली की मोस्ट अवेटिड फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी अगले साल 6 जनवरी 2022 को रिलीज होने वाली है. यानी कि साफ है आलिया भट्ट फैंस को गंगूबाई के जरिए नए साल का नायाब तोहफा देने वाली हैं. वहीं, फिल्म को नए साल पर रिलीज काफी फायदा भी मिल सकता है. आपको बता दें कि गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर पहले तक ये खबरें थीं कि फिल्म को दीवाली पर भंसाली रिलीज करेंगे, लेकिन मेकर्स ने सरप्राइज देते हुए फिल्म को नए साल पर रिलीज करने का ऐलान किया है. वैसे दीवाली के मौके पर रोहित शेट्टी की फिल्म सूर्यवंशी भी रिलीज होने वाली है. वैसे बता दें कि फिल्म का टीजर कोरोना की दूसरी लहर के आने से पहले रिलीज हुआ था, लेकिन कोविड के कारण फिर से लगे लॉकडाउन से फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाया गया था. इतना ही नहीं आपको बता दें कि गंगूबाई काठियावाड़ी में आलिया भट्ट के अलावा अजय देवगन कैमियो करते नजर आएंगे. फिल्म में अजय का काफी खास रोल होने वाला है।

पिंपल्स के दौरान ये गलतियां बढ़ा सकती हैं आपकी परेशानी !

मुंहासे आपके चेहरे की खुबसूरती को बिगाड़ देते हैं. इनसे छुटकारा पाने के लिए लोग कई तरह के तरीके आजमाते हैं. लेकिन कभी कभी हम नए नए उपाय के चक्कर में कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जो समस्या को कम करने की बजाय बढ़ा देते हैं. पिंपल्स की समस्या अधिकतर टीनएज पर होती है क्योंकि इस समय शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं. इसके अलावा अधिक तीखा, ऑयली और मसालेदार भोजन की वजह से भी ऐसा होता है. वहीं जिन लोगों की स्किन ऑयली होती है, उनको भी अक्सर पिंपल्स की समस्या हो जाती है. पिंपल्स चेहरे की पूरी खूबसूरती को खराब कर देते हैं. साथ ही दर्द भी करते हैं. इनसे छुटकारा पाने के लिए कई बार लोग अपने चेहरे को बार बार धोते हैं, ताकि चेहरे का एक्सट्रा ऑयल निकल जाए. लेकिन इससे समस्या कम नहीं होती, बल्कि बढ़ जाती है. जानिए कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में जो हम अंजाने में करते हैं और अपनी समस्या को कम करने की बजाय बढ़ा लेते हैं.

पिंपल्स के दौरान न करें ये गलतियां

बार-बार फेस वॉश करना: जिन लोगों को ऑयली स्किन की वजह से मुंहासे की समस्या होती है, वे अक्सर चेहरे को बार बार धोने की गलती करते हैं. लेकिन बार-बार फेस वॉश से स्किन में ऑयल ज्यादा निकलता है. चेहरे पर मौजूद एक्सट्रा ऑयल साफ करने के लिए सॉफ्ट टिश्यू या वेट फेस वाइप्स का इस्तेमाल करें.

तकिए का कवर कई दिनों तक न बदलना: आप सोच रहे होंगे कि तकिए का कवर न बदलने का मुंहासों से क्या संबन्ध है. लेकिन ये सच है कि अगर आप गंदा तकिया रोज इस्तेमाल करते हैं तो आपके पिंपल्स की समस्या कहीं ज्यादा बढ़ जाएगी क्योंकि स्किन व बालों से तेल निकलकर तकिए पर जम जाता है. इसकी वजह से बैक्टीरिया पनपते हैं. जब हम रोजाना उसी तकिए का इस्तेमाल करते हैं तो पिंपल्स का रिस्क बढ़ जाता है. इसलिए अपने तकिए के कवर को तीन से चार दिनों पर बदलें.

पिंपल्स को बार-बार छूना: अगर आप अपने पिंपल्स को बार-बार छूते हैं, नोचते हैं तो इस आदत को बदल दीजिए. इससे आपकी समस्या बढ़ जाती है. हाथों को अच्छे से धोने के बाद ही चेहरे को हाथ लगाएं. इसके अलावा पिंपल्स अगर सूख रहे हैं और उन पर पपड़ी जम रही है, तो उसे छीलें नहीं।

फैबलुक मैगज़ीन के कवर पेज पर नजर आई काजल अग्रवाल

काजल अग्रवाल ने तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में अपना करियर पूरी तरह से एस्टब्लिश किया हुआ है। साउथ में उनकी फैन फोलोविंग काफी बड़ी है। काजल जो पिछले साल शादी के बंधन में बंधी थी अपनी शादी शुदा ज़िन्दगी को काफी एन्जॉय कर रही है और यह बात उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स से साफ़ ज़ाहिर होती है। वह नजर आयी फैबलुक मैगजीन के कवर पेज पर। कवर पेज अपने फैंस के साथ शेयर करते हुए काजल ने लिखा, शूट फॉर फैबलुक मैगज़ीन। इस कवर पेज पर वह बेहद खूबसूरत और स्टनिंग लग रही है। उनकी सुंदरता आपको मेस्मराइस कर देगी। लाइट पर्पल गाउन में वह किसी प्रिंसेस से कम नहीं लग रही है। काजल ने साल 2004 में हिंदी फिल्म क्यों! हो गया ना से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2007 में उन्होंने फिल्म लक्ष्मी कल्याणम से अपना तेलुगु डेब्यू किया और उसके बाद से अब तक उन्होंने अपने करियर में कई हिट तमिल और तेलुगु फिल्में दी है। पिछले साल 30 अक्टूबर को वह बिजनेसमैन गौतम किचलू के साथ शादी के बंधन में बंधी।

बैलून वाले बच्चों को शिक्षित करना हमारा कर्तव्य-विधायक प्रवीण पाठक।

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। गौरवशाली सामाजिक संस्था के सचिव वासुदेव मिश्रा ने जानकारी दी कि 1 जनवरी 2022 को बेजाताल पर गौरवशाली सामाजिक संस्था की संस्थापक अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा एवं हार्ट बीट ब्रेकर डांस एकेडमी के राबिन निक के संयुक्त तत्वाधान में स्लिम बस्ती में निवासरत बैलून बेचने वाले बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां संपन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनसेवक श्री प्रवीण पाठक, विशिष्ट अतिथि महिला जिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष श्रीमती रुचि राय ठाकुर, अतिथि गण महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्रीमती रचना कुशवाह, स्मार्ट सिटी से मनोज शर्मा जी, कांग्रेसी नेता मनीष शर्मा उर्फ रिंकू नाथूराम खरे जी, श्रीमती रानी खरे, नगर निगम परियोजना अधिकारी शिशिर श्रीवास्तव, संस्था की संरक्षिका श्रीमती रीता डोगरा संरक्षक दिनेश शर्मा एवं उपस्थित जनों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि विधायक प्रवीण पाठक ने गौरवशाली सामाजिक संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा एवं संस्था सचिव वासुदेव मिश्रा एवं कोरियोग्राफर रॉबिन निक के द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए कहा कि बैलून बेचने वाले बच्चों से स्नेह है शिक्षित करने के लिए जो भी खर्च होगा वह मेरे द्वारा वहन किया जाएगा, जिस हेतु आप लोग इनसे संपर्क कर सूची तैयार कर मुझे दे देवें। मुख्य अतिथि प्रवीण पाठक एवं विशिष्ट अतिथि महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती रुचि राय ठाकुर ने ऐसे आयोजन से समाज को एक अच्छा संदेश जाता है कि ऐसे बच्चों की प्रतिभा को निखारने का कार्य गौरवशाली सामाजिक संस्था बखूबी निभा रही है। हम सबको मिलकर ऐसे बच्चों को शिक्षित करना या इनकी प्रतिभा को मंच देना दायित्व बनता है। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि एवं अतिथि गणों ने की

सराहना मीडिया जगत से पधारे हुए प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। नए साल पर बैलून वाले बच्चों एवं उपस्थित बाल मनुहार बच्चन सभी के बीच के काटकर सभी को केक खिलाया गया। आयोजन कर्ता ने प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया एवं सभी बच्चों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। गौरवशाली सामाजिक संस्था में बच्चों को खाने-पीने की सामग्री वितरित कर 8 वर्ष की खुशी जो हाथों से कमजोर होकर मुंह में पेंसिल दबाकर चित्रकारी बनाई गई उसे एक चित्रकारी बनाने के लिए बोर्ड एवं गिफ्ट भेंट किया गया। इस प्रस्तुति में ड्राइंग डांस गायन में करीब 100 बच्चों ने भाग लिया गया और नए वर्ष पर घूमने आए कई लोगों ने विशेष प्रस्तुति के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया गया। मिमिकरी आर्टिस्ट शिवपुरी से आए हुए आनंद रावत ने अमिताभ बच्चन नाना पाटेकर सहित कई फिल्मी कलाकारों की आवाज निकाल कर सबका मन मोह लिया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा एवं कार्यक्रम का संचालन कर रहे संस्था सचिव वासुदेव मिश्रा एवं कोरियोग्राफर रॉबिन निक ने मंचासीन अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आयोजन को सफल बनाने के लिए संस्था की संरक्षिका श्रीमती रीता डोगरा, संरक्षक दिनेश शर्मा, संस्था कोषाध्यक्ष श्रीमती अंजलि नरवरिया, वार्ड अध्यक्ष श्रीमती सपना पाल, वार्ड प्रभारी श्रीमती लक्ष्मी करन, सदस्य श्रीमती प्रभा मिश्रा, हार्ट बीट ब्रेकर डांस अकेडमी के कोरियोग्राफर रॉबिन निक, असिस्टेंट कोरियोग्राफर मनीष माहोर, मिमिक्री आर्टिस्ट आनंद रावत, मीडिया जगत से पधारे हुए दैनिक समाचार पत्र नवभारत के वरिष्ठ पत्रकार श्री रामकिशन कटारे जी, दैनिक समाचार पत्र राज एक्सप्रेस से श्री अनिल शर्मा जी, आई बी एन न्यूज से संदीप शुक्ला जी, एस आर पत्रिका से मोहम्मद सलीम जी, शाहनवाज खान जी, धीरेंद्र शिवहरे जी, अमन की दुनिया से सतीश शाक्यवार जी,मीडिया से प्रॉपर न्यूज़ चैनल से अरविंद नरवरिया जी, स्वदेश से दीपक शर्मा जी, नवभारत से संजय भारद्वाज जी, नव्यांश से अजय दुबे जी, हिंदुस्तान केसरिया अशोक सोनी जी, गिर्राज ओझा जी, दिव्य संध्या अनिरुद्ध त्रिपाठी जी, हार्ट बीट ब्रेकर डांस एकेडमी से विकास राजपूत,मनीष ओझा, रवि कुशवाह, सौरभ राठौर, प्रदीप निगम, यास्मीन, पृथ्वी सिंह, पूजा भदोरिया, सहयोगी राज,कृष्णा, हिमांशु, नैना एवं उपस्थित बाल मनुहार बच्चे एवं उपस्थित श्रोताओं एवं नगर निगम का हार्दिक हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए सभी को नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

वन-टू-वन

10 दिन पूर्व अपहृत हुई बालिका को सर्वडे मुंबई से पण्डोखर पुलिस ने किया दस्तयाब

पण्डोखर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

भाण्डेर(अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे)

दिनांक 22/12/21 को फरियादी ने रिपोर्ट लिखाई थी कि मेरी लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगा ले गया है।उक्त रिपोर्ट पर से अपराध क्रमांक 236/21 धारा 353 ताहि का पंजीबद्ध किया गया।पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा अपहृत बालक बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया अमनसिंह राठौर के निर्देशन में, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया कमल मौर्य के मार्गदर्शन व श्रीमान एसडीओपी महोदय भाण्डेर कर्णिक श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में 10 दिन पूर्व अपहृत हुई बालिका को पण्डोखर पुलिस ने सर्वडे मुंबई महाराष्ट्र से दस्तयाब किया गया।यहाँ बता दें कि श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया से निर्देश प्राप्त कर थाना प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा को जरिये मुखविर सूचना प्राप्त हुई कि अपहृत बालिका सर्वडे महाराष्ट्र मे है तभी थाना प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा द्वारा टीम गठित की जाकर टीम को सर्वड़े महाराष्ट्र रवाना किया गया जहां से अपहृत बालिका को दस्तयाब किया गया।

इनकी रही मुख्य भूमिका: उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पण्डोखर धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा,कार्य. प्र.आर. स्वामीप्रसाद यादव,आर. हरीमोहन कुशवाह,आर. रविकांत कौरव,म.आर वर्षा रावत की सराहनीय भूमिका रही।

विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद पाठक बने चम्बल संभाग के प्रभारी!

आज दिनांक 1 जनवरी 2022 को विकलांग बल के निर्देशन में विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रभारी हेमंत सिंह कुशवाह जी ने चंबल संभाग में विकलांग बल को मजबूत करने के उद्देश्य से सक्रियता के साथ कार्य कर रहे विनोद पाठक जी को प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ ही साथ चंबल संभाग प्रभारी नियुक्त किया जाता हैं। इनकी नियुक्ति आज दिनांक से आगामी आदेश तक वैद्य रहेगी।

शस्त्र फैक्ट्री का भांडाफोड़ 12 तमंचे 6 खोखा बनाने के औजार सहित एक अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा - दिनांक 31 दिसम्बर 2021 को थाना कोतवाली देहात पुलिस ने प्राप्त सूचना पर दीनबंधु कॉलेज के सामने ख़ारिजा भट्टा के पास बनी कोठरी में अवैध शस्त्र फैक्ट्री चलाते हुए एक अभियुक्त को समय सांय करीब 9.30 बजे गिरफ्तार किया गया है। मौके से 11 तमंचे 315 बोर बने, 1 तमंचा अधबना, 3 खोखा कारतूस 315 बोर, 3 खोखा कारतूस 12 बोर तथा भारी मात्रा में शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किये गये हैं। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा बताया गया कि आगामी चुनावों में तमंचों की मॉग बढ़ने और मनमाफिक रुपये मिलने के चलते वह अवैध शस्त्रों को बनाने का कार्य कर रहा था। इस सम्बन्ध में गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली देहात पर थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त शातिर किस्म का पेशेवर अपराधी हैं, जो पूर्व में भी शस्त्र फैक्ट्री के कई मामलों में जेल जा चुका है।

अभियुक्त जनपद अलीगढ़ के थाना गांधी पार्क क्षेत्र में एक अवैध शस्त्र फैक्टरी के मामले में फरार चल रहा है जिसमें इसके 6 साथियों की गिरफ्तारी हुई थी। चुनावों में अवैध शस्त्रों की मांग बढ़ने और अच्छी कीमत पर उनकी बिक्री के चलते अभियुक्त द्वारा अवैध शस्त्रों का निर्माण किया जा रहा था। अभियुक्त पुराने-खराब तमंचे सही करने का कार्य भी करता है। अभियुक्त तमंचे बनाकर एटा तथा आसपास के जनपदों में भी बेचता है और तमंचे बेचकर ही अपने परिवार का पालन पोषण करता है। गिरफ्तार अभियुक्त देवेंद्र शर्मा पुत्र ओमप्रकाश शर्मा निवासी अंबरपुर थाना जलेसर एटा बरामद 10 अवैध तमंचे सभी चालू हालत में 315 बोर 1 पोनिया 315 बोर।

1 तमंचा अधबना 315 बोर
3 खोखा कारतूस 315 बोर
3 खोखा कारतूस 12 बोर
भारी मात्रा में शस्त्र बनाने के अन्य उपकरण

सांसद संध्या राय भिंड के एक दिवसीय प्रवास पर आज

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

15 से 18 वर्षीय किशोर वैक्सीन के शुभारंभ में होंगी शामिल

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत 3 जनवरी को एक दिवसीय प्रवास पर भिंड आएंगी भाजपा मीडिया सेंटर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय सांसद श्रीमती संध्या राय 3 जनवरी को शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक नंबर 1 में आयोजित 15 से 18 वर्ष के युवाओं को किशोर वैक्सीन अभियान के शुभारंभ में शामिल होंगी द्यसांसद श्रीमती राय इसी दिन 1ऱ00 बजे भिंड शहर के शहर के शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचकर शोक संवेदना उनके निवास स्थान पर पहुंचकर करेंगे और अनित निजी कार्यक्रमों में शामिल होंगी भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती राय अपने निजी निवास चंबल कॉलोनी इटावा रोड भिंड में शाम 4ऱ00 बजे से 5ऱ00 बजे तक आम जनता एवं भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनसे रूबरू होंगी और समस्याओं को सुनेंगे श्रीमती राय शाम 7ऱ00 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

लिंगराजपुरम आईमाता मंदिर में सीरवी समाज गागुड़ा गाँव की हुई बैठक

पुष्पाजंली टुडे/नारायणलाल सैणचा

बेंगलूर ऱ– रविवार आईमाता मंदिर लिंगराजपुरम में गागुड़ा गाँव सीरवी समाज के पदाधिकारियों की हुई बैठक। सर्व प्रथम माताजी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना कर सभा की शुरूआत की गई। जिसमे गागुड़ा गांव में 10 फरवरी 2022को सीरवी समाज आईमाता मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अलग -अलग समिती का सर्व सहमति से गंठन किया गया।जिसमें सभी सदस्यों ने सहमति जताई ।इस अवसर पर रतनलाल सोलंकी, नारायणलाल सोंलकी, थानाराम सोंलकी,रमेश कुमार हांम्बड,शिवलाल,भूंडाराम , जगदीश बर्फा, नेकाराम गेहलोत, गणेशराम गेहलोत, हिरालाल गेहलोत,रतनलाल गेहलोत ,सुरेश गेहलोत सहित समस्त गागूड़ा गांव के बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

ओबीसी महासभा के आंदोलन से डरी सरकार राजधानी को किया सभी दिशाओं से बन्द

अनिल कुशवाह ब्यूरो

हजारों की संख्या में आंदोलन में शामिल लोगों को भेजा जेल

भोपाल-- ओबीसी महासभा द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निवास के घेराव का ऐलान किया गया था जिसमें भीम आर्मी सहित अनेक संगठनों ने सहयोग किया था ओबीसी महासभा के जिला अध्यक्ष हेमंत यादव द्वारा बताया गया कि त्रिस्तरीय पंचायती राज में ओबीसी वर्ग को 27त्न आरक्षण मिलता था लेकिन सरकार की गलत नीतियों के कारण माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों को सामान्य कर दिया गया इसके विरोध में आज भोपाल मैं मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने का एलान ओबीसी महासभा एवं भीम सेना के चीफ चंद्रशेखर द्वारा समर्थन किया गया आज सुबह से भोपाल देश के अनेक जिलों के 50,हजार से अधिक ओबीसी वर्ग के एवं भीम सेना के सक्रिय साथी भोपाल पहुंचे लेकिन प्रशासन की तानाशाही एवं भाजपा सरकार की पिछड़े वर्ग समाज की इन मांगों को देखते हुए लोकतंत्र में दमनकारी नीति अपनाते हुए भीम सेना के चीफ चंद्रशेखर को हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया एवं उनके हजारों समर्थकों को हवाई अड्डे के बाहर गिरफ्तार किया गया एवं ओबीसी महासभा के सभी साथियों को विभिन्न थानों में गिरफ्तार कर अपनी दमनकारी नीति का परिचय दिया ओबीसी समाज एवं भीम सेना के इस आंदोलन के डर के

कारण सरकार गुंडागर्दी पर उतर आई और संविधान द्वारा अपनी आवाज उठाने के लिए आंदोलन को अपनी दमनकारी नीतियों के कारण 50,हजार से अधिक लोगों को जेल भेज कर अपने दमनकारी नीति का परिचय दिया ओबीसी महासभा द्वारा संकल्प लिया गया अब ओबीसी समाज भारतीय जनता पार्टी को आने वाले चुनावों में वोट की चोट देगा इनको नीति और नियत साफ नहीं है इनकी गुंडागर्दी हठधर्मिता के खिलाफ ओबीसी समाज भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ वोट करेगा उनका और उनकी पार्टी के नेताओं का बहिष्कार करेंगे आने वाले चुनावों में इनको सबक सिखाया जाएगा भोपाल आंदोलन में शिवपुरी से ओबीसी महासभा के जिलाध्यक्ष प्रकाश सिंह रावत ,अनिल कुशवाहा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हेमंत यादव, गिर्राज दुलारा ,ओबीसी दिनेश कुमार राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी भीम आर्मी पोहरी विधानसभा अध्यक्ष सिद्धम खेमरिया अंकित देवड़ा आम आदमी पार्टी जवाब दो जिला अध्यक्ष रामस्वरूप बघेल मोर्चा कैलाश कुशवाहा मान सिंह कुशवाह सौरव सिंह रावत कुलदीप सिंह रावत सुरेंद्र सिंह वर्मा सहित सैकड़ों साथ में उपस्थित रहे।

सतीश शेंडे अंधे हत्याकाण्ड का लांजी पुलिस ने किया खुलासा

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

हत्याकांड की गुत्थी सुलझाना बड़ी तेडी़ खिर होता है। लांजी बालाघाट मार्ग पर ग्राम दुलापुर स्थित हनुमान मंदिर के पीछे सखाराम नारनौरे के खेत में लगभग एक माह पूर्व 8 दिसम्बर 2021 को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था, जिसकी सिनाख्त एक दिन पश्चात ग्राम बिनोरा निवासी सतीश शेण्डे के रूप में हुई थी। उक्त व्यक्ति का शव 4-5 दिन पुराना प्रतीत होने के चलते खराब होने लगा था, जिसे एसडीओपी दुर्गेश आर्मो, थाना प्रभारी शंकर सिंह चौहान एवं पुलिस अमले मौके पर पंहुचकर जांच एवं आस पास जगहों का निरीक्षण कर शव का पोस्टमार्टम पश्चात अंतिम संस्कार कर दिया गया था एवं अपराध क्रमांक 427/2021 धारा 302,201 भादंवि का पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया था तथा उसी दिन से पुलिस द्वारा अंधे की हत्याकाण्ड की गुत्थी सुलझाने में लगी हुई थी। जिसका कि लगभग एक माह पश्चात 2 जनवरी को पुलिस द्वारा प्रेस वार्ता कर खुलासा किया गया। हत्या का कारण मृतक सतीश शेंडे का आरोपी राजकुमार व उसके पुत्र रत्नदीप व रोहित से गरीबी रेखा का राशन कार्ड कटाने को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। जिसको लेकर 04 दिसम्बर 2021 को आरोपीगण राजकुमार रोहित व रत्नदीप ने अपने साथियों अतुल, भारत व सोहेल के साथ मिलकर उक्त घटना को कारित किया था।

ज्ञात हो कि 8 दिसंबर को मिले शव की पहचान नही हो पाई थी, वंही समाचार पत्र एवं अन्य जानकारी के माध्यम से शव की जानकारी परिजनो को मिलने पर मृतक की बहन एवं जीजा ने पुलिस थाना लांजी पंहुचकर शव के पास से मिली सामग्री जिनमे मुख्यतऱ्लॉकेट जिसमे बाबा साहेब आंबेडकर एवं गौतम बुद्ध का चित्र था, चाबी के दो गुच्छे एवं कपडो से उसकी पहचान अपने भाई सतीश शेन्डे के रूप में की थी। जानकारी में यह बताया गया कि सतीश ने एक-एक कर 4 औरतो से शादी रचाई थी, किन्तु कोई भी सतीश के साथ नही रहती थी। वह आरटीआई सहित शिकायत करने का आदि था और यही हत्या की वजह साबिज हुई।

एसडीओपी दुर्गेश आर्मो ने प्रेस कांफ्रेंस कर किया हत्याकांड का खुलासा: अंधे हत्याकाण्ड का खुलासा करते हुये एसडीओपी दुर्गेश आर्मो ने प्रेसवार्ता आयोजित कर जानकारी दी कि लगभग 1 माह पूर्व 8 दिसंबर को दुलापुर हनुमान मंदिर के पास एक अज्ञात शव पड़ा हुआ मिला। जिसकी सूचना पर थाना प्रभारी के निर्देशन में टीम तैयार कर मेरे द्वारा मौके स्थल का निरीक्षण किया गया। प्रथम दृष्टि में यह प्रतीत हुआ कि किसी अज्ञात आरोपी ने उक्त व्यक्ति की हत्या करके फेंक दी है। जिसकी विवेचना के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन में व थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। विवेचना के दौरान यह ज्ञात हुआ कि यह सतीश शेंडे बिनोरा निवासी के रूप में शिनाख्त हुई थी। सतीश शेंडे का विवाद रत्नदीप उर्फ मोंटी पिता राजकुमार चौरे 26 वर्ष, राजकुमार सुखदेव चौरे 52 वर्ष, रोहित पिता राजकुमार चौरे 20 वर्ष का गरीबी रेखा का राशन कार्ड कटाने को लेकर विवाद चल रहा था। जिससे परेशान होकर उनका कहना है कि हत्या कर दी। विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज तकनीकी साक्ष मुखबिर तंत्र के माध्यम से हमने खुलासा किया। इसमें राजकुमार के दोनों पुत्र के अलावा उन्हीं के बस स्टॉप के अतुल पिता प्रेमलाल नगपुरे 20 वर्ष चारो बिनोरा निवासी, भारत पिता बलराम भलावी 24 वर्ष उमरिया कान्हीवाड़ा सिवनी निवासी थे और लाने ले जाने में सोहेल पिता जहिर शेख 18 वर्ष बिसोनी वार्ड नंबर 18 निवासी सहयोगी थे। पूछताछ में पाया कि मृतक सतीश शेंडे बिनोरा में सड़क किनारे खड़ा था और राजकुमार चौरे बस चालक बालाघाट से लांजी आ रहे थे, इस बीच सतीश को अकेला पाकर राजकुमार और उनके बेटे ने जबस्ती बस में बैठा लिया। जिसके बाद बस में मारपीट किए और वह मूर्छित अवस्था में हो गए। उसका बेटा रत्नदीप चौरे जो बस चालक का ही काम करता हैं उनको फोन पर कहा कि सुनसान जगह में और भी साथियों को लेकर आना यह बहुत दिन से परेशान कर रखा है इसे आज देख लेंगे। फिर रत्नदीप ने अतुल, भरत व सोहेल को लेकर दुलापुर मोड़ पर पहुंच गए थे और बस आई तो टायर चेंज करते हैं कहकर उतारा व राड़ एवं लकड़ी के गुटके से मारपीट किए। इनके सिर पर व पैरों में चोट के निशान थे, पोस्टमार्टम में भी यह सामने आया कि सर में चोट होने के बाद खून ज्यादा बहने से मृत्यु हुई है।

सारा अली खान संग विक्की कौशल आज फिर इंदौर की सड़कों पर

इंदौर। फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान और अभिनेता विक्की कौशल आज फिर इंदौर की सड़कों पर नजर आ रहे हैं। आज दोनों इंदौर शहर के बड़ा गणपति मंदिर क्षेत्र और सरवटे बस स्टेंड के पास फिल्म लुका छुपी 2 के लिए शूटिंग कर रहे हैं। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में शूटिंग करने के दौरान उन्हें अलग ही आनंद आ रहा है। शहर के लोगों में भी सारा और विक्की को देखने के लिए बहुत उत्सुकता नजर आ रही है। शूटिंग के दौरान आस-पास लोगों की भीड़ जमा हो गई है। इसके पहले शूटिंग में सारा अली खान विक्की कौशल के साथ बाइक पर घूमती नजर आई थीं। यह दृश्य इंदौर के जवाहर मार्ग इलाके में फिल्माया गया था। सारा साड़ी पहने एक अलग ही लुक में नजर आ रही हैं। लुका छुपी 2 फिल्म में उनका किरदार एक टीचर का है, फिल्म में उनके द्वारा बच्चों को पढ़ाने के दृश्य भी इंदौर में ही फिल्माए गए हैं। फिल्म लुका छुपी 2 के लिए सारा अली खान और विक्की कौशल इंदौर के अलग-अलग स्थानों पर शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग ज्यादातर शहर के सबसे पुराने इलाकों और बाजारों में की गई है। सारा और विक्की यहां पिछले कई से फिल्म की शूटिंग के लिए बार-बार इंदौर आ रहे हैं, यहां शूटिंग का काम खत्म होने के बाद वे वापस मुंबई चले जाते हैं। सारा अली खान सबसे पहले जब इंदौर में शूटिंग करने आई थी तो वे यहां कुछ देर रुककर उज्जैन के महाकाल मंदिर पहुंची थी, वहां महाकाल के दर्शन कर वे वापस शूटिंग के लिए लौटी। फिल्म केदारनाथ से अपने अभिनय के लिए चर्चा में आई सारा फिल्म रिलीज होने के बाद भी केदारनाथ के दर्शन करने जाती हैं।

फिल्म लुका छुपी 2 की हो रही है शूटिंग
इसके पहले सारा अली खान विक्की कौशल के साथ बाइक पर घूमती नजर आई थीं

फूलों से किया महाकाल का श्रंगार

उज्जैन। रविवार को भगवान महाकाल का फूलों से विशेष श्रंगार किया गया। गुलाब व सेवंती के फूलों की मालाएं पहनाई गईं। भांग, अबीर व चंदन से चेहरे को आकर्षक बनाया। भगवान को रविवार को लाल वस्त्र धारण कराए। मस्तक पर रुद्राक्ष की मालाएं चढ़ाई गईं।श्रंगार के बाद वस्त्र धारण कराए और आरती के बाद मिष्ठान, भांग व फलों का भोग लगाया।

बिजली के झटके के साथ नये साल का स्वागत

अब उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 14 पैसे ज्यादा बिल देना होगा

जबलपुर। नए साल में मध्य प्रदेश के लोगों का स्वागत बिजली के झटके के साथ हुआ है. अब लोगों को प्रति यूनिट 14 पैसे ज्यादा बिल देना होगा. यानी अगर आपका बिल 100 रुपये आता है तो अब आपको बिजली कंपनी को 114 रुपये देने होंगे. विद्युत नियामक आयोग से मंजूरी मिलने के बाद मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी ने फ्यूल कॉस्ट एडजस्टमेंट यानी ईंधन प्रभार समायोजन 14 पैसे प्रति यूनिट बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक, इस बढ़ोत्तरी से मध्य प्रदेश की बिजली कंपनियों को करीब 70 करोड़ रुपये की आय ज्यादा होगी. दूसरी

ओर, विद्युत नियामक आयोग ने कंपनियों की टैरिफ बढ़ाने वाली याचिकाओं की जानकारी सार्वजनिक कर दी है. कंपनियों ने घरेलू उपभोक्ता, कमर्शियल उपभोक्ता, औद्योगिक उपभोक्ता और कृषि उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में अलग-अलग प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित की है।

बिजली के गलत प्रबंधन का परिणामः अग्रवाल

विद्युत मामलों में जानकार और रिटायर्ड एमपीईबी अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल बताते हैं कि फ्यूल कॉस्ट एडजस्टमेंट यानी एफसीए बढ़ जाने से नए साल की शुरुआत ही महंगी बिजली के साथ हो रही है. इसके साथ ही साथ विद्युत कंपनियों की टैरिफ याचिका पर अब 21 जनवरी तक आपत्तियां बुलाई गई हैं. एक आपत्तिकर्ता के तौर पर राजेंद्र अग्रवाल बताते हैं कि मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा कोयले का स्त्रोत मौजूद है, इसके बावजूद महंगी बिजली कहीं न कहीं गलत प्रबंधन का परिणाम है. बहरहाल इस बार भी वह इस टैरिफ याचिका पर आपत्ति दर्ज कराएंगे. बता दें, आयोग ने 21 जनवरी तक याचिका में आपत्तियां बुलाई हैं. बिजली कम्पनियों ने आगामी वित्त वर्ष में 3915 करोड़ का घाटा दिखाया है।

इतनी बढ़ोत्तरी चाहती हैं बिजली कंपनियां

- घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 9.97 प्रतिशत बिजली की बढ़ोतरी प्रस्तावित
- वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए 4.44 प्रतिशत बिजली की बढ़ोतरी प्रस्तावित
- औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए 5.11 प्रतिशत बिजली की बढ़ोतरी प्रस्तावित
- सबसे ज़्यादा कृषि उपभोक्ताओं के लिए 10.61 प्रतिशत बिजली की बढ़ोतरी प्रस्तावित

10.09 करोड़ किसानों को पीएम-किसान में 20946 करोड़ व एफपीओ सदस्यों को 14 करोड़ की इक्विटी ग्रांट प्रदान

हर भारतीय की शक्ति सामूहिक रूप में परिवर्तित होकर देश के विकास को नई गति दे रही हैः मोदी

प्रधानमंत्री द्वारा सृजित योजनाएं किसानों का जीवन स्तर बदलेंगीः तोमर

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) स्कीम के तहत देश के 10.09 करोड़ किसान भाइयों-बहनों को 20,946 करोड़ रुपए 10वीं किस्त जारी की, साथ ही किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सदस्य 1,24486 किसानों को 14 करोड़ रु. से ज्यादा की इक्विटी ग्रांट प्रदान की गई। आज की राशि को मिलाकर पीएम-किसान स्कीम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किसानों के बैंक खातों में लगभग 1.82 लाख करोड़ रु. दिए जा चुके हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि छोटे किसानों के बढ़ते हुए सामर्थ्य को संगठित रूप देने में हमारे एफपीओ की बड़ी भूमिका है। जो छोटा किसान पहले अलग-थलग रहता था, उसके पास अब एफपीओ के रूप में पांच बड़ी शक्तियां हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान हित में पीएम किसान, एक लाख करोड़ रु. के कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड सहित अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का सृजन किया है, जो किसानों का जीवन स्तर बदलते हुए इनकी प्रगति में मील का पत्थर साबित होगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि एफपीओ के रूप में किसानों के पास पहली शक्ति है- बेहतर बार्गेनिंग यानी मोलभाव की शक्ति, दूसरी शक्ति किसानों को मिली है बड़े स्तर पर व्यापार की। एफपीओ के रूप में किसान संगठित होकर काम करते हैं, लिहाजा उनके लिए संभावनाएं भी बड़ी होती हैं। तीसरी ताकत है- इनोवेशन की। एक साथ कई किसान मिलते हैं तो उनके अनुभव साथ में जुड़ते हैं, जानकारी बढ़ती है। नए-नए इनोवेशन्स के लिए रास्ता खुलता है। एफपीओ में चौथी शक्ति है- रिस्क मैनेजमेंट की। एक साथ मिलकर आप चुनौतियों का बेहतर आकलन भी कर सकते हैं, उससे निपटने के रास्ते भी बना सकते हैं। और पांचवीं शक्ति है- बाज़ार के हिसाब से बदलने की क्षमता। श्री मोदी ने कहा कि हमारी धरती को बंजर होने के बचाने का एक बड़ा तरीका है- केमिकल मुक्त खेती, इसलिए बीते वर्ष में देश ने एक और दूरदर्शी प्रयास शुरू किया है। ये प्रयास है- प्राकृतिक खेती का। देश के किसान का विश्वास देश की सबसे बड़ी ताकत है।

श्री मोदी ने कहा कि आज जब हम नव वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तब बीते साल के अपने प्रयासों से प्रेरणा लेकर हमें नए संकल्पों की तरफ बढ़ना है। इस साल हम अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे करेंगे। ये समय देश के संकल्पों की एक नई जीवंत यात्रा शुरू करने का है, नए हौसले से आगे बढ़ने का है। कितने ही लोग देश के लिए अपना जीवन खपा रहे हैं, देश को बना रहे हैं। ये काम पहले भी करते थे, लेकिन इन्हें पहचान देने का काम अभी हुआ है। हर भारतीय की शक्ति आज सामूहिक रूप में परिवर्तित होकर देश के विकास को नई गति और नई ऊर्जा दे रही है। उन्होंने कहा कि आज हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर 8प्रतिशत से भी ज्यादा है। भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश आया है। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। जीएसटी कलेक्शन में भी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हुए हैं। निर्यात और विशेषकर कृषि के मामले में भी हमने नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। वर्ष 2021 में भारत ने करीब 70 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन सिर्फ यूपीआई से किया है। आज भारत में 50 हजार से ज्यादा स्टार्ट-अप्स काम कर रहे हैं। इनमें से 10 हजार से ज्यादा स्टार्ट-अप्स तो पिछले 6 महीने में बने हैं। 2021 में भारत ने अपने सैनिक स्कूलों को बेटियों के लिए खोल दिया। 2021 में भारत ने नेशनल डिफेंस एकेडमी के द्वार भी महिलाओं के लिए खोल दिए हैं। 2021 में भारत ने बेटियों की शादी की उम्र को 18 से बढ़ाकर 21 साल यानि बेटों के बराबर करने का भी प्रयास शुरू किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि क्लाइमेट चेंज के खिलाफ विश्व का नेतृत्व करते हुए भारत ने 2070 तक नेट जीरो कार्बन एमिशन का भी लक्ष्य दुनिया के सामने रखा है। आज भारत हाइड्रोजन मिशन पर काम कर रहा है, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में लीड ले रहा है। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण की गति को नई धार देने वाला है। मेक इन इंडिया को नए आयाम देते हुए देश ने चिप निर्माण, सेमीकंडक्टर जैसे नए सेक्टर के लिए महत्वकांक्षी योजनाएं लागू की है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्र के लिए निरंतर प्रयास, आज हर भारतीय का मनोभाव बन रहा है। इसलिए ही हमारे प्रयासों में एकजुटता है, संकल्पों में सिद्धि की अधीरता है, हमारी नीतियों में निरंतरता है, निर्णयों में दूरदर्शिता है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने प्रधानमंत्री को हार्दिक धन्यवाद देते हुए कहा कि कृषि संबंधी जब भी कोई विषय होता है तो वे बहुत ही सहृदय होकर महत्व प्रदान करते हैं व करोड़ों किसानों को अनुग्रहित करते हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि देश में लगभग 86 प्रतिशत छोटे किसान हैं, इनका योगदान जरूरी है, जिसके लिए इन्हें संगठित करने हेतु 6865 करोड़ रू. के खर्च से दस हजार नए एफपीओ बनाए जा रहे हैं। गत 16 दिसंबर को आणंद (गुजरात) में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से करोड़ों किसानों के बीच प्रधानमंत्री जी ने प्राकृतिक खेती पर बल दिया है। किसान व राज्य सरकारें इस दिशा में प्रवृत्त हो रहे हैं और प्राकृतिक खेती का यह एक आंदोलन बनेगा, जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी, उत्पादकता बढ़ेगी व खेती में लागत कम आएगी।

कार्यक्रम में उ.प्र. के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गेहलोत, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री, उप राज्यपाल, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी व सुश्री शोभा करंदलाजे, सांसद-विधायकगण तथा अन्य जनप्रतिनिधि और केंद्र व राज्यों के अधिकारी उपस्थित थे। करोड़ों किसान भाई-बहन आनलाइन व कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों आदि जगह से जुड़े थे। संचालन कृषि सचिव श्री संजय अग्रवाल ने किया। प्रारंभ में प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु व गुजरात के एफपीओ के सदस्यों से संवाद किया।

आज से शिवराज शुरू करेंगे मैराथन बैठकें आत्मनिर्भर प्रदेश को लेकर तेज होगी कवायद

बजट मंथन को लेकर भी आला अफसरों का होगा मंथन

भोपाल। शिरडी से लौटने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार से मैराथन बैठकें शुरू करेंगे। इन बैठकों के पीछे मुख्यमंत्री का फोकस आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के तहत चल रहे काम-काज में तेजी लाना है। चिंता यह भी है कि यदि कोरोना संक्रमण और ज्यादा बढ़ा तो कहीं आर्थिक गतिविधियां प्रभावित न हो, विकास की गति धीमी न पड़े। इसको लेकर क्राइसेस मैनजेमेंट ग्रुप को एक्टिव किया जा रहा है। वहीं विभिन्न विभागों को भी एलर्ट किया गया है। राजस्व आय बढ़ाने भी सरकार का फोकस है। राजस्व संग्रहण वाले विभागों की बैठक 3 जनवरी को ही बुलाई गई है। इसी दिन कानून व्यवस्था की भी बैठक होगी।

बजट मंथन में आएगी तेजी: अगले वित्तीय वर्ष के लिए बजट तैयार करने के लिए वित्त विभाग लगातार मंथन कर रहा है। अब इस काम में तेजी आएगी। तीन जनवरी से विभिन्न विभागों के सचिव, प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव स्तर के अफसरों के साथ वित्त विभाग के अधिकारी बैठक करेंगे। इसके लिए विभागवार शेड्यूल तैयार किया गया है। यह प्रयास है कि जनवरी माह में विभागवार बैठकें पूरी हो जाएं। इसके बाद वित्त मंत्री संबंधित विभागों के मंत्रियों के साथ चर्चा कर बजट को अंतिम रूप देंगे।

सरकारी महकमों को किया एलर्ट

मुख्यमंत्री सचिवालय ने विभिन्न विभागों को बैठकों की सूचना भेज दी है। बैठकों के लिए विभागवार दिन निर्धारित किए गए हैं। यह बैठकें पूरे हफ्ते चलेंगीं। विभागों से आगामी प्लान पूछा जाएगा वहीं मुख्यमंत्री अपनी प्राथमिकताएं भी बताएंगे। अभी तक किए गए कामों का ब्यौरा भी विभागों को देना होगा।

एनपीएस घोटाले की पीएमओ में भेजी शिकायत

भोपाल। शासकीय एवं अर्द्ध शासकीय विभागों में कार्यरत 800000 कर्मचारियों एवं 48000 स्थाई कर्मियों के वेतन से काटी जाने वाली पेंशन की 10 प्रतिशत राशि एवं अन्य फंड कटौती से जमा की गई। राशि में एनएसडीएल टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च कंपनी द्वारा किए गए घोटाले की शिकायत कर्मचारी मंच ने प्रधानमंत्री कार्यालय नई दिल्ली में भेजी है। उन्होंने मांग की है कर्मचारियों एवं स्थाई कर्मियों के वेतन से काटी जाने वाली न्यू पेंशन योजना 2005 के अंतर्गत 10 प्रतिशत राशि प्रतिमाह काटी जाती है तथा अन्य फंड की कटौती भी की जाती है लेकिन कर्मचारियों को आकस्मिक दुर्घटना या अन्य कार्यों के लिए राशि निकालने की जरूरत हो तो संस्था द्वारा आकस्मिक राशि स्वीकृत नहीं की जाती है।

अब चलती ट्रेन में दर्ज होगी ऑनलाइन एफआईआर ट्रेन छोड़कर जीआरपी थाने जाने की जरूरत नहीं

भोपाल। प्रदेश के रेल यात्रियों को सरकार ने बड़ी सौगात दी है. अब चलती ट्रेन में यात्री किसी भी आपराधिक घटना की एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। उन्हें अपनी ट्रेनें छोड़कर जीआरपी थाने में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। शासकीय रेल पुलिस जीआरपी का 155वां स्थापना दिवस पहली बार भोपाल में मनाया गया। इस दौरान प्रदेश में आने वाली भोपाल, जबलपुर, इंदौर रेल इकाईयों की अलग-अलग वेबसाइट लॉन्च की गई। इन तीनों वेबसाइट में चलती ट्रेन में सफर करने वाले रेल यात्रियों के लिए E-FIR का ऑप्शन दिया गया है। इस ऑप्शन के जरिए चोरी समेत दूसरे आपराधिक मामलों की शिकायत आसानी से की जा सकती है. इस ऑप्शन में घटना से जुड़ी तमाम जानकारी अपलोड करने के बाद ऑटोमेटिक ई-एफआईआर जनरेट हो जाएगी।

गांव-कस्बों में बनेगा शहरों की तरह औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आर्थिक विकास के माडल को ध्यान में रखते हुए शिवराज सरकार प्रदेश के गांव-कस्बों में शहरों की तरह औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने जा रही है। प्रदेश सरकार की मंशानुसार सहकारिता विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना करेगा। ये स्थानीय मांग पर आधारित होंगे। इससे रोजगार के अवसर तो उपलब्ध होंगे ही आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी। जिसका सीधा असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

गांव और कस्बों में कृषि आधारित उद्योग-धंधे लगाने के इच्छुक लोगों को हर स्तर पर मदद करने का फैसला किया है। राज्य के गांव-कस्बों में उद्योग स्थापित करने की पहल करने वाले ग्रामीणों को सरकार सस्ता ऋण दिलवाएगी। इसके लिए पहले सर्वे कराया जाएगा और फिर सहकारी समितियां गठित की जाएंगी। इनका काम उत्पादन तक सीमित रहेगा। विपणन का जिम्मा जिला स्तरीय समितियां संभालेंगी। ये समितियां ही प्राथमिक समितियों को कच्चा माल भी उपलब्ध कराएगी। जो सामग्री तैयार होगी, उसकी बिक्री का इंतजाम जिला स्तर पर किया जाएगा और जो सामग्री बचेगी उसे राज्य स्तर बिकवाने के प्रयास किए जाएंगे। यह काम ग्रामीण औद्योगिकीकरण महासंघ करेगा। इसका पंजीयन 31 मार्च के पहले होगा और फिर प्राथमिक सहकारी समितियां बनेंगी।

ग्रामीण औद्योगिकीकरण महासंघ बनेगा

प्रदेश के गांव और कस्बों में औद्योगिक विस्तार के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और आर्थिक विकास

महाराष्ट्र से 18 मजदूरों को वापस लेकर आई सिवनी पुलिस

सिवनी। जबलपुर के बरगी व जिले के लखनादौन, धूमा क्षेत्र से करीब एक हजार किलोमीटर दूर महाराष्ट्र के कोल्हापुर में मजदूरी करने गए 18 मजदूरों को जिले की लखनादौन पुलिस वापस लेकर आई है।

सभी मजदूरों का शनिवार को मेडिकल परीक्षण कराने के बाद कोरोना रैपिड टैस्ट कराया, जिसमें रिपोर्ट निगेटिव आने पर गांव वापस लाकर अपने परिवार से मिला दिया गया है।

दरअसल बरगी, लखनादौन व धूमा क्षेत्र के करीब 18 मजदूरों को गांव का परिचित एक व्यक्ति एडवांस मजदूरी राशि देकर सिवनी से महाराष्ट्र के कोल्हापुर गन्ना कटाई कराने ले गया था, लेकिन वहां जाने के बाद मजदूरों से गन्ना कटाई कराने की बजाए ईट बनवाई जा रही थी।इसकी जानकारी मिलने पर मजदूरों के स्वजनों ने शिकायत जबलपुर पुलिस से की थी। जबलपुर पुलिस ने सिवनी पुलिस को मामले की जानकारी दी। इसके बाद एसपी कुमार प्रतीक ने लखनादौन पुलिस को थाना स्तर पर टीम गठित कर मजदूरों को वापस लाने कोल्हापुर जाने के निर्देश दिए थे।

एक साल से चल रही जांच, 30 सरपंच और सचिव बने आरोपी

1200 पंचायतों में 20 करोड़ का घोटाला,15 में केस

भोपाल। पंच परमेश्वर योजना में 20 करोड़ से अधिक के भ्रष्टाचार की शिकायत लोकायुक्त में एक साल पहले हुई थी। इसकी जांच जारी है। एक साल में पुलिस ने 15 पंचायतों की जांच पूरी कर 30 सरपंच और सचिवों के खिलाफ केस दर्ज किया है। 15 पंचायतों में डेढ़ करोड़ से अधिक का भ्रष्टाचार सामने आया है।

लगभग एक साल पहले लोकायुक्त में कट्ठीवाड़ा, आलीराजपुर, सोंधाय, जोबट, उदयनगर की 1200 पंचायतों की शिकायत हुई थी। शिकायत में बताया गया था कि यहां पंच परमेश्वर योजना में होने वाले विकास कार्यों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। पंचायतों के सरपंच और सचिवों ने मिलकर लगभग 20 करोड़ से अधिक की राशि का घोटाला किया है। जांच लोकायुक्त के डीएसपी एसएस यादव को दी गई थी। इनमें से अब तक उन्होंने उदयनगर की 11 और चंद्रशेखर आजाद नगर भाबरा की 15 पंचायतों की जांच पूरी कर ली है। इसमें लगभग डेढ़ करोड़ की राशि का घोटाला सामने आया है। इसके बाद साल के अंत में लोकायुक्त पुलिस ने इन पंचायतों के 30 सरपंच और सचिवों के खिलाफ भ्रष्टाचार की धाराओं में केस दर्ज कर लिया। डीएसपी ने बताया कि एक-एक कर सभी पंचायतों की जांच की जा रही है। जिसमें भी भ्रष्टाचार के सबूत मिल रहे हैं, उसमें केस दर्ज किया जा रहा है। एक-दो माह में कुछ और पंचातयों के सरपंच और सचिवों के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। बताते हैं कि आदिवासी बाहुल्य जिलों में सरकारी योजनाओं में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है। इसकी शिकायतें लगातार मिल रही हैं। अभी पुलिस 1200 पंचायतों की जांच कर रही है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाए 12 फरवरी से

भोपाल। **माध्यमिक शिक्षा** मण्डल द्वारा परीक्षा वर्ष 2021-22 के लिए 10वीं, 12वीं, व्यावसायिक विद्यालय पूर्व शिक्षा में डिप्लोमा (डीपीएसई) और शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण पत्रोपाधि की सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षा 12 फरवरी 2022 से आयोजित की जायेगी। सैद्धांतिक परीक्षा 20 मार्च 2022 तक और प्रायोगिक परीक्षा 31 मार्च 2022 तक आयोजित की जायेगी।

जिले में 15 से 18 वर्ष के किशोरवय बच्चों को कोरोना टीके लगाने का विशेष अभियान आज से

जिले में 3 जनवरी को 40 हजार बच्चों को टीके लगाने का लक्ष्य

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण के लिए 240 केन्द्र बनाए

ग्वालियर। वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिए 15 से 18 वर्ष तक के किशोरवय बच्चों को 3 जनवरी से कोविड वैक्सीन लगाने का महाअभियान शुरू होगा। वर्ष 2007 से पहले जन्मे बच्चे टीकाकरण के लिए पात्र होंगे। ग्वालियर जिले में 3 जनवरी को पात्र बच्चों को प्रथम डोज के टीके लगाने के लिए 240 केन्द्र बनाए गए हैं। इस दिन जिले में 40 हजार बच्चों को टीके लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिलेवासियों से आग्रह किया है कि अपने पात्र बच्चों का पंजीयन कराकर संबंधित केन्द्र पर पहुँचकर कोरोना से बचाव के लिए टीके जरूर लगवाएं। उन्होंने टीकाकरण के लिए तैनात सभी टीमों को निर्देश दिए हैं कि वे पूरे समर्पण भाव के साथ बच्चों के टीकाकरण को अंजाम दें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 से 18 वर्ष तक के बच्चों को कोरोना वैक्सीन के प्रथम डोज के टीके लगाने के लिये जिले के शहरी क्षेत्र में 120 और इतने ही टीकाकरण केन्द्र ग्रामीण क्षेत्र में बनाए गए हैं। टीकाकरण के लिए शहरी क्षेत्र में 220 और ग्रामीण क्षेत्र में 120 टीमें तैनात की गई हैं। जिले में 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के लगभग एक लाख 42 हजार बच्चे हैं, जिन्हें टीके लगाए जायेंगे। इनमें से 40 हजार बच्चों को 3 जनवरी के दिन टीके लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने की बच्चों के टीकाकरण में सहयोग करने की अपील

3 जनवरी को दोपहर 12 बजे ऑनलाइन क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटी की लेंगे बैठक

ग्वालियर। जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जिले के सभी जनप्रतिनिधिगण, धर्मगुरूओं, समाजसेवियों, क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यगण एवं समस्त जिलेवासियों से 3 जनवरी से शुरू हो रहे 15 से 18 वर्ष तक के बच्चों को कोरोना से बचाव के लिये टीकाकरण अभियान में सहभागी बनने की अपील की है। साथ ही सभी से आग्रह किया है कि प्रयास ऐसे हों कि एक भी पात्र बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाए। उन्होंने यह भी कहा है कि प्रदेश में लगातार कोरोना के मरीज ब? रहे हैं। इसलिए सभी से मास्क लगाने और कोविड अनुकूल व्यवहार का पालन करने का आग्रह भी जरूर करें।

प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट 3 जनवरी को दोपहर 12 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिला स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक लेंगे। इस दौरान वे सदस्यों से चर्चा कर जिले में किशोरवय बच्चों के टीकाकरण अभियान की समीक्षा करेंगे।

ज्ञात हो 3 जनवरी से सम्पूर्ण देश व प्रदेश के साथ ग्वालियर जिले में भी 15 से 18 वर्ष तक के बच्चों को कोरोना से बचाव के लिये टीकाकरण का विशेष अभियान शुरू होगा।

संक्षिप्त समाचार

'अनुभूति कार्यक्रम' में 3 लाख 20 हजार विद्यार्थी वन्य-प्राणी और संरक्षण के प्रति होंगे जागरूक

ग्वालियर। प्रदेश के शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को ÷अनुभूति कार्यक्रम÷ के जरिए वन्य-प्राणी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस वर्ष 3 लाख 20 हजार विद्यार्थियों को जागरूक करने का लक्ष्य है। कार्यक्रम का शुभारंभ दिसम्बर 2021 में इन्दौर जिले के यूनिक हायर सेकण्डरी मानपुर में 43 विद्यार्थियों के शिविर के आयोजन से किया गया। ईको पर्यटन विकास बोर्ड के सी.ई.ओ श्री सदानंद ने बताया कि प्रदेश के सभी वन क्षेत्रों में कोविड-19 के मार्गदर्शी निर्देशों का पालन करते हुए अनुभूति शिविरों के माध्यम से जनवरी माह में 1 लाख 20 हजार शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम से जो?ा जाएगा। वर्ष की शेष अवधि में अशासकीय विद्यालयों के 2 लाख विद्यार्थियों को ÷कार्यक्रम÷ से जो?ा जाएगा। अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए सशुल्क शिविर लगेंगे। सी.ई.ओ. श्री सदानंद ने बताया कि वन विभाग द्वारा ईको पर्यटन के जरिए विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्राकृतिक स्थलों में निर्धारित नेचर ट्रेल पर वनों, वन्य-प्राणियों की जानकारी, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, पक्षी दर्शन, तितली दर्शन, वन्य प्राणी दर्शन के साथ वन प्रबंधन से रू-ब-रू कराया जाता है।

ट्रक से टकराई कार, दादा-पोता सहित तीन की मौत

ग्वालियर । जिले के घाटीगांव में रविवार सुबह तेज रफ्तार कार स?क किनारे ख? ट्रक में घुस गई। हादसे में दादा-पोता समेत तीन की मौत हो गई, जबकि मां-बेटे घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ। बताया जाता है कि कोहरे के कारण कार ड्राइवर को स?क किनारे ख?ा ट्रक नहीं दिखा।कार मे सवार परिवार उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर लौट रहा था। परिवार उत्तरप्रदेश के मैनपुरी का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के मैनपुरी निवासी 50 वर्षीय रमेशचंद्र शर्मा पुत्र श्याम बाबू शर्मा का लोहे का कारोबार है।

समाज के साथ-साथ अन्य वर्गों के लिए मदद को हर समय तैयार रहेंगे चित्रांश : श्याम श्रीवास्तव

ग्वालियर। चित्रांश इंटरनेशनल वेलफेयर आर्गेनाइजेशन का कार्यकारिणी शपथ ग्रहण समारोह आज 2 जनवरी रविवार को वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान मैं संपन्न हुआ। चित्रांश इंटरनेशनल वेलफेयर आर्गेनाइजेशन शिवा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज 2 जनवरी रविवार को भगवान चित्रगुप्त जी के दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ इसमें दीप प्रज्वलन के उपरांत अतिथियों का स्वागत एवं उनका उद्बोधन के पश्चात समस्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए इस अवसर पर मुकद्दर भी ग्रुप में भाजपा के वरिष्ठ नेता हवा चौधरी अरुण कुलश्रेष्ठ जी प्रसिद्ध व्यवसाई श्री अशोक निगम जी राकेश सक्सेना जीराजेश्वर राव जी नूतन श्रीवास्तव जी शशिकांत भटनागर जी अजय प्रकाश श्रीवास्तव जी गोपाल श्रीवास्तव जी सुनील कुमार खरे दीपा वर्मा जी देव शरण श्रीवास्तव अमित सक्सेना जी अलका सक्सेना जी डॉ उदय श्रीवास्तव जी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम श्रीवास्तव राष्ट्रीय सचिव अमन श्रीवास्तव महिला प्रदेश अध्यक्ष तृप्ति भटनागर महिला जिला अध्यक्ष रुचिका श्रीवास्तव संभागीय अध्यक्ष अनूप श्रीवास्तव संभाग उपाध्यक्ष सुलभ श्रीवास्तव युवा जिलाध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव जिला महामंत्री शिवम श्रीवास्तव सहित कई पदाधिकारियों ने अपनी अपनी नियुक्ति पत्र लिए और समाज के प्रति अपने दायित्व को पूर्ण करने की शपथ ली इस अवसर पर श्रीमती अरुणा श्रीवास्तव रवि शेखर श्रीवास्तव जी नम्रता सक्सेना अलका प्रदीप सक्सेना श्रीमती बंदना खरे नितिन श्रीवास्तव आयुष तोषित श्रीवास्तव प्रिंस श्रीवास्तव यस ऋषभ आयुध निखिल आदि सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने एसपी से डीआईजी बनने पर श्री सांघी को दी बधाई

ग्वालियर। ग्वालियर के पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी को पुलिस उप महानिरीक्षक पद पर पदोन्नति मिली है। पदोन्नत होने पर उन्हें कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बधाई एवं शुभकामनायें दीं। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री मदन कुशवाह एवं अपर कलेक्टर श्री एच बी शर्मा भी मौजूद थे।

मुरार में बालाजी दरबार की विशाल शोभायात्रा निकाली

नागरिकों ने जगाह जगह पुष्प वर्षा एवं आरती उतारकर स्वागत किया

ग्वालियर । श्रीबालाजी दरवार सेवा समिति मुरार ग्वालियर के तत्वाधान में महादरवार के 30 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय धार्मिक उत्सव का भव्य शुभारंभ महाशक्ति धारक महंत पडिंत राजेंद्र शर्मा जी द्वारा पूजन के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ ।

श्री बालाजी दरबार सेवा समिति मुरार के मीडिया प्रभारी पंकज पाठक ने बताया की श्री बालाजी महाराज की शोभायात्रा मुरार भगवान परशुराम मंदिर घास मंडी मुरार से प्रारंभ में हुई शोभा यात्रा बजाज खाना, अग्रसेन चौक, सदर बाज़ार, बारादरी ,माल रोड ,खुला संदर, कंपनीबाग रोड, तिकोनिया, पृथ्वीराज मार्ग ,से होते हुए परसराम मंदिर पर आकर संपन्न हुई शोभा यात्रा में बालाजी तलवार की तस्वीर के साथ महंत राजेंद्र शर्मा जी रथ पर सवार थे । शोभा यात्रा का मुरार की धर्म प्रेमी जनता जनार्दन ने जगह जगह पुष्पवर्षा एवं जय बाबा की जयकारों के बीच आरती उतारकर भव्य स्वागत किया भक्ति भाव से परिपूर्ण यात्रा मंह बड़ी संख्या में महिलाएँ शामिल हुई ।

मीडिया प्रभारी पंकज पाठक ने बताया कि बालाजी दरबार के तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव मैं प्रथम दिन शोभायात्रा निकाली गई ,तीन जनवरी को श्री बालाजी महाराज की महापूजा एवं हवन ,चार जनवरी को है महा दरबार दोपहर बारह बजे से तीन बजे तक तथा सभी भक्त गणों को भंडारा सायकल चार वजे से रात्री आठ बजे तक होगा । बालाजी दरबार सेवा समिति के अध्यक्ष महंत पंडित राजेंद्र शर्मा जी ने महानगर की सभी धर्म प्रेमी जनता जनार्दन से होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की है !

आज का समय बेहद क्रूर-महेश कटारे

राकेश अचल की पुस्तक त्वरित टिप्पणी का लोकार्पण

ग्वालियर । प्रख्यात कहानीकार महेश कटारे ने कहा है कि आज के क्रूरतम समय में राकेश अचल की पुस्तक का आना एक महत्वपूर्ण घटना है।वे पत्रकार राकेश अचल की पुस्तक त्वरित टिप्पणीके लोकार्पण अवसर पर बोल रहे थे। कटारे ने कहा कि चारण बनना आसान है लेकिन तीर की तरह निशाना साधकर सामाजिक सरोकारों के लिए लिखना कठिन काम है। समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रख्यात कलाकार सुभाष अरोरा ने कहा कि राकेश अचल ऐसा लेखक हैं जो बिना किसी रंग का चश्मा लगाए एकदम खरा लिखते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर पत्रकार को इस पुस्तक को पढना चाहिए। विषय प्रवर्तन वरिष्ठ लेखक राज चड्ढा ने किया और कहा कि राकेश अचल चार दशक से निष्पक्ष पत्रकारिता के जरिए समाज की सेवा कर रहे हैं।

आलेख आलोचनात्मक के साथ रचनात्मक भी

समारोह के अध्यक्ष नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अचल के आलेख आलोचनात्मक होने के साथ ही रचनात्मक भी है। उन्होंने इस मौके पर उपस्थित जनों से नगर को स्वच्छ बनाने की शपथ दिलाई। अतिथियों का स्वागत प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने किया।डा केशव पांडे ने लेखक राकेश अचल का शाल, श्रीफल से अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन अतुल अजनबी ने किया।

कला समारोह का समापन 3 जनवरी को, संभागायुक्त की होगी विजिट, डीन गजराराजा भी आएंगे

ग्वालियर। रंगशिल्प समिति% एवं ग्वालियर स्मार्ट सिटी के संयुक्त तत्वावधान में 19 दिसम्बर 2021 से प्रारंभ रीजनल आर्ट एण्ड क्राफ्ट सेन्टर, बैजाताल में संचालित कला समारोह का सोमवार 3 जनवरी 2022 को अपराह्न 3 ॒30 बजे समापन होगा। 16 दिवसीय कला समारोह जिसमें पेंटिंग्स और मूर्तिकला से कला प्रेमी जनता को दो युगल प्रदर्शनी और एक समूह प्रदर्शनी के माध्यम से कला से जो?ने का विनम्र प्रयास हुआ।

कला समारोह के समापन अवसर पर ग्वालियर संभागायुक्त श्री आशीष सक्सेना ने नगर की इस नवीन कला दीर्घा में विजिट करने तथा कलाकारों का उत्साहवर्धन करने का आश्वासन दिया है, वहीं डीन गजराराजा मेडिकल कॉलेज डॉ. समीर गुप्ता ने समापन अवसर पर पधारकर कैटलॉग के विमोचन की सहमति दी है । ग्वालियर में अपनी तरह के कला केन्द्रित इस मेले ने कला के प्रति नागरिकों में अभिरुचि जागृत करने का विनम्र प्रयास भी किया है । कला समारोह का उद्घाटन 19 दिसम्बर 2021को पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी ने किया। तीन चरणों में सम्पन्न इस कला समारोह का आगाज श्री सुभाष चंद्र अरोड़ा और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती राजबाला अरो?ा द्वय द्वारा उनकी मूर्तिकला एवं चित्रकला प्रदर्शनी से हुआ एवं समापन आई टी एम विश्वविद्यालय के प्रोचांसलर श्री दौलत सिंह ने 22 दिसंबर को किया। दूसरे चरण की समूह प्रदर्शनी में नगर के ख्यातिलब्ध मूर्तिकार और पेंटर शामिल थे जिसका उद्घाटन 23 दिसम्बर को नगर सांसद श्री विवेक सेजवलकर ने किया और आयुक्त नगर निगम श्री किशोर कान्याल विशिष्ट अतिथि थे। इस प्रदर्शनी में सर्वश्री /सुश्री बालकृष्ण हरिभाऊ अरावकर, मनोहर खोकले, शोभा सक्सेना, उमेन्द्र वर्मा, आलोक शर्मा , अनुराग ज?िया , मुकुन्द केतकर, बृजमोहन आर्य , चंद्र सेन जाधव , नीना खरे, प्रकाश चंद्र बत्ती, श्रीपाद मुकुन्द भाण्ड , कान्ति व्यास , मनोहर खोकले, शिवा श्रीवास्तव, बसन धुमाल,रमन भटनागर,स्नेहलता यादव, धृतिवर्धन गुप्ता, दीपक विश्वकर्मा, सुनीता प्रजापति,तृप्ति गुप्ता ज?िया, हरिकृष्ण कदम ,जिज्ञासा जादौन,दीर्घा खंडालकर, डा.हरिबल्लभ महेश्वरी,गिर्राज गुप्ता की कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई एवं समापन 29 दिसम्बर को जी एस मौर्या अपर संचालक जनसम्पर्क मप्र के कर कमलों द्वारा किया गया। कला समारोह के तीसरे चरण में श्री केशव प्रसाद श्रीवास्तव एवं संजय धवले की युगल प्रदर्शनी का उद्घघाटन 30 दिसंबर को सी ई ओ ग्वालियर स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह द्वारा किया गया, जिसका आज औपचारिक समापन अपराह्न 3 ॒30 बजे सम्पन्न होगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478